

तालाब में डूबने से मासूम की हो गई थी मौत, 'फौजी' ने पीड़ित परिवार को दिलाई 4 लाख सहायता

गुड मॉर्निंग भारत ज्ञानेंद्र तिवारी कौशाब्बी।मंझनपुर नगर

घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।

संवेदनशील पहल करते हुए सरकार की ओर से दैवीय आपदा

उन्होंने दिवंगत मासूम की आत्मा की शांति और परिजनों को दुःख



पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 2 डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम नगर (हजरतगंज) निवासी मिश्री लाल सरोज के 3 वर्षीय पुत्र राजकुमार की तालाब में डूबने से हो गई थी दर्दनाक मौत। इस हृदयविदारक

बुधवार को भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य के साथ नगर पालिका अध्यक्ष बीरेंद्र सरोज 'फौजी' पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और गहरी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान 'फौजी' ने

राहत कोष के अंतर्गत 24 लाख का डेमो चेक परिवार को सौंपा। नगर पालिका अध्यक्ष बीरेंद्र सरोज 'फौजी' ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में पूरा समाज और प्रशासन परिवार के साथ खड़ा है।

सहने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर ज्योति केसरवानी, शीलू पांडेय, प्रदीप सिंह, बिपिन केसरवानी, अंशुल केसरवानी, भारत गौतम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

नियमित जलापूर्ति में कतिपय कारणों से आ रही बाधाओं के निराकरण के सम्बन्ध में बैठक

गुड मॉर्निंग भारत - बसन्त कुमार गुप्ता मीरजापुर 27 मई 2026- जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट

निराकरण के सम्बन्ध में बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने हर घर जल योजनान्तर्गत कार्य कर रहे एजेंसियों

कराए। उन्होंने कहा कि 100 प्रतिशत पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित कराए। उन्होंने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए

सत्यापन करार रिपोर्ट उपबन्ध ताकि अधिशासी अभियंता जल निगम सम्बन्धित कार्यवाही संस्था से उसकी मरम्मत करा सकें। उन्होंने कहा कि यदि इस योजनान्तर्गत कोई घर छूटा हो और वह कनेक्शन लेना चाहता हो तो उसका कनेक्शन करा दिया जाए। उन्होंने अधिशासी अभियंता जल निगम ग्रामीण को निर्देशित करते हुए कहा कि यदि डीपीआर में कुछ जगह/गांव छूट गए हो तो वहां पर जिस योजनान्तर्गत पाइपलाइन बिछाई गई हो तो उसकी भी जांच करा ले। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जहां पर टैकर के माध्यम से जलापूर्ति करा जा रही हो वहां गर्मी को देखते हुए नियमित जलापूर्ति कराई जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विजेता, अधिशासी अभियंता जल निगम सहित अन्य सम्बन्धित विभाग व कार्यदायी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहें।



सभाभाग में पेयजल योजनाओं की नियमित जलापूर्ति में कतिपय कारणों से आ रही बाधाओं के

को निर्देशित करते हुए कहा कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों को ठीक करते हुए जलापूर्ति सुनिश्चित

कहा कि अपने-अपने ब्लाको में सत्यापन कराए। उन्होंने कहा कि सोमवार तक प्रत्येक दशा में

भारतीय किसान यूनियन हिंदुस्तान की पंचायत में उठी सुलभ शौचालय और जनसमस्याओं की मांग, नगर निगम को सौंपा ज्ञापन

गुड मॉर्निंग भारत प्रयागराज : भारतीय किसान यूनियन हिंदुस्तान की ओर से मंगलवार को एक पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संगठन

गया। संगठन पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा।

नगर आयुक्त से तत्काल कार्रवाई की मांग की। पंचायत के दौरान संगठन विस्तार पर भी जोर दिया गया। कई लोगों ने भारतीय किसान

अलावा मनीषा पटेल, शुभम यादव, पन्नीलाल, नंदलाल, शैल कुमारी, मुन्ना भाई, भारत भाई, सुरेश, रामसूरत, मनोज कुमार, राकेश कुमार, मंगली प्रसाद



के जिला अध्यक्ष विनोद दिनकर उर्फ दिनकर भैया ने किया। पंचायत के दौरान किसानों, मजदूरों और स्थानीय लोगों की समस्याओं को लेकर नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई गई। कार्यक्रम के बाद नगर आयुक्त के नाम ज्ञापन ट्रांसपोर्ट चौकी इंचार्ज सुधीर पांडेय को सौंपा

जिला अध्यक्ष विनोद दिनकर ने कहा कि नगर निगम की ओर से केवल आश्वासन दिए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्य नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सुलभ शौचालय की व्यवस्था न होने से किसान, मजदूर, छात्र-छात्राएं और आम नागरिकों की भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने

यूनियन हिंदुस्तान की सदस्यता ग्रहण की। जिला अध्यक्ष ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और पूरे उत्तर प्रदेश में अलग पहचान बनाएगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद सलमान, राष्ट्रीय सचिव अजय यादव, प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सैफ समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके

कुशवाहा, संजय कुमार गौतम, बबीता श्रीवास्तव, अमन श्रीवास्तव और अंजलि सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जिला अध्यक्ष दिनकर भैया ने कार्यकर्ताओं को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का कैलेंडर वितरित किया और सभी का आभार व्यक्त किया।

सराय इनायत में तेज रफ्तार कार घर में घुसी, चालक समेत तीन युवक घायल

गुड मॉर्निंग भारत प्रयागराज के सरायइनायत थाना क्षेत्र अंतर्गत बीकापुर गांव के सामने बुधवार शाम एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने घर में जा घुसी। हादसे में कार चालक समेत तीन युवक घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

घटना प्रयागराज-वाराणसी जोटी रोड की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने दो युवकों की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय



रेफर कर दिया। घायलों की पहचान हंडिया थाना क्षेत्र के सियाडीह निवासी पवन कुमार और नरेंद्र कुमार यादव के रूप में हुई है, जबकि एक अन्य युवक की पहचान नहीं हो सकी है।

बताया जा रहा है कि पवन अपने तीन साथियों के साथ मारुति कार से शहर की ओर जा रहा था। इसी दौरान बीकापुर गांव निवासी राम शिखर यादव के घर के सामने कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सीधे घर में जा घुसी।

गनीमत रही कि हादसे के समय घर के बाहर या आसपास कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में लेकर थाने भेज दिया

संगम पुलिस चौकी क्षेत्र में अज्ञात बुजुर्ग का मिला शव

गुड मॉर्निंग भारत प्रयागराज : दारंगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत संगम चौकी इलाके में बुधवार को एक अज्ञात बुजुर्ग का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे एक बुजुर्ग को अचेत अवस्था में पड़ा देखा, जिसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी।

मृतक की उम्र लगभग 70 वर्ष बताई जा रही है। शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।



पुलिस के मुताबिक मृतक के पास से ऐसा कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान हो सके। आसपास के थाना क्षेत्रों में सूचना भेजी गई है और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से भी शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।

प्रारंभिक जांच में किसी चोट के निशान की पुष्टि नहीं हुई है, हालांकि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल दारंगंज पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

बहरिया पुलिस को बड़ी सफलता, 24 घंटे के भीतर चोरी की दो बाइक बरामद

दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, मऊआइमा से चोरी गई बाइक भी बरामद

गुड मॉर्निंग भारत-शिवम शुक्ला प्रयागराज पुलिस कमिश्नर प्रयागराज के गंगानगर जौन अंतर्गत थाना बहरिया पुलिस ने वाहन चोरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय वाहन चोर गिरोहों में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को थाना बहरिया क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी होने की सूचना पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। थाना अध्यक्ष मानवेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम लगातार संदिग्धों की तलाश में दबिश दे रही थी। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने चैमलपुर प्राथमिक विद्यालय के पास घेराबंदी कर दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से दो चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुईं। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान दिनेश प्रकाश सरोज निवासी बजाही और श्यामू मंगता निवासी सिलोखरा थाना बहरिया के रूप में हुई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बरामद एक बाइक थाना मऊआइमा क्षेत्र से चोरी की गई थी, जिसका इंजन बदलकर उसकी पहचान छिपाने की कोशिश की गई थी। थाना

अध्यक्ष मानवेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

नजर रखी जा रही है। थाना अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई

मोटरसाइकिलों को कब्जे में लेकर आगे की जांच की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में चौकी प्रभारी सिकंदरा उपनिरीक्षक



उन्होंने कहा कि वाहन चोरी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस टीम सक्रिय रूप से काम कर रही है और क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार

जारी रहेगी। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय भेज दिया गया है। बरामद

अनुराग शर्मा, उपनिरीक्षक शिवाकांत वर्मा, हेड कांस्टेबल अरविंद सिंह और हेड कांस्टेबल अरविंद तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बारा में अवैध कब्जों का बढ़ता जाल, प्रशासन की चुप्पी पर सवाल ओवरलॉड वाहनों पर सख्ती, लेकिन भूमाफियाओं पर कार्रवाई क्यों नहीं?

गुड मॉर्निंग भारत-शिवम शुक्ला प्रयागराज बारा तहसील क्षेत्र में इन दिनों सरकारी जमीनों पर कब्जा, नदी-नालों की पट्टाई और बेशकीमती भूमि पर अवैध निर्माण का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। क्षेत्रीय लोगों के बीच अब यह चर्चा तेज हो गई है कि आखिर प्रशासन की नजर केवल सड़कों पर दौड़ रही ओवरलॉड गाड़ियों और बिना फिटनेस वाले वाहनों तक ही क्यों सीमित रह गई है, जबकि सरकारी जमीनों को खुलेआम कब्जा कर माफिया करोड़ों की संपत्तियों पर कब्जा जमाते जा रहे हैं। उपजिलाधिकारी डॉ. गणेश कनौजिया एक तरफ ओवरलॉड वाहनों और नियमों का उल्लंघन करने वाले ट्रकों पर लगातार चालान और कार्रवाई करते दिखाई

देते हैं, लेकिन दूसरी तरफ क्षेत्र में सरकारी नदी, नाले और खाली जमीन तक पाट दी गई, तो कहीं नालों पर अवैध निर्माण खड़े हो गए, मगर जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई। क्षेत्र में चर्चा है कि महीनों का कार्यकाल बीत जाने के बाद भी किसी बड़े भूमाफिया पर प्रशासनिक स्तर से बड़ी कार्रवाई देखने को नहीं मिली। यही वजह है कि भूमाफियाओं के होसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं और जमीन से जुड़े विवाद अपने चरम पर पहुंच चुके हैं। गांवों में आए दिन खेत, रास्ता, बंजर और सरकारी जमीन को लेकर विवाद बढ़ रहे हैं, लेकिन तहसील प्रशासन इन मामलों में सख्त रुख अपनाने से बचता दिखाई दे रहा है। लोगों के बीच यह भी सवाल उठ रहा है कि आखिर सरकारी संपत्तियों पर

कब्जा करने वालों के खिलाफ प्रशासनिक मशीनरी उतनी सक्रिय क्यों नहीं दिखती, जितनी सड़क पर वाहनों की चेकिंग के दौरान दिखाई देती है। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते बड़े कब्जाधारियों और भूमाफियाओं पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं।

बारा क्षेत्र में बढ़ते अवैध कब्जों और प्रशासनिक निष्क्रियता को लेकर अब जनता खुलकर सवाल उठाने लगी है। लोगों का कहना है कि अगर प्रशासन निष्पक्ष होकर कार्रवाई करे, तो सरकारी जमीनों को बचाया जा सकता है, लेकिन फिलहाल हालात यह हैं कि भूमाफियाओं के आगे सिस्टम कमजोर नजर आ रहा है।

कब्जा करने वालों के खिलाफ प्रशासनिक मशीनरी उतनी सक्रिय क्यों नहीं दिखती, जितनी सड़क पर वाहनों की चेकिंग के दौरान दिखाई देती है। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते बड़े कब्जाधारियों और भूमाफियाओं पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो आने वाले दिनों में हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं।

बारा क्षेत्र में बढ़ते अवैध कब्जों और प्रशासनिक निष्क्रियता को लेकर अब जनता खुलकर सवाल उठाने लगी है। लोगों का कहना है कि अगर प्रशासन निष्पक्ष होकर कार्रवाई करे, तो सरकारी जमीनों को बचाया जा सकता है, लेकिन फिलहाल हालात यह हैं कि भूमाफियाओं के आगे सिस्टम कमजोर नजर आ रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार सीधे आम जनता को दिखे: सीएम योगी

सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और समय पर वलेम भुगतान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभागों की समीक्षा करते हुए साफ तौर पर कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का लाभ सीधे आम आदमी को मिलना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकारी अस्पतालों में इलाज, जांच, दवाओं और आपात सेवाओं की गुणवत्ता लगातार बेहतर होनी चाहिए। साथ ही, मेडिकल कॉलेजों, नर्सिंग संस्थानों और सुपर स्पेशलिटी सेवाओं को आधुनिक तकनीक, बेहतर मानव संसाधन और प्रभावी प्रबंधन से सशक्त बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य शिक्षा का उद्देश्य केवल संस्थान बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रदेश को प्रशिक्षित चिकित्सक, विशेषज्ञ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यकर्मों उपलब्ध कराना है। उन्होंने मेडिकल संस्थानों में आधुनिक उपकरणों, विशेषज्ञ फैकल्टी और रिसर्च गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 108 जनपदीय चिकित्सालय, 106 विशिष्ट चिकित्सालय, 976 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 3757



प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा 27,668 स्वास्थ्य उपकेंद्र संचालित हैं। वर्ष 2025-26 में सरकारी अस्पतालों में 26.41 करोड़ ओपीडी सेवाएं और 1.23 करोड़ आईपीडी सेवाएं दी गईं, जबकि 24.33 करोड़ पैथोलॉजी जांचें की गईं। वर्ष 2016-17 की तुलना में सत्र 2025-26 तक प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 44 से बढ़कर 83 हो गई है, जो 88.6 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त 10 वर्षों में पीजी सीटों की संख्या 1344 से बढ़कर 5067 हो गई है, जबकि एमबीबीएस सीटें 5390 से बढ़कर 12800 तक पहुंच गई हैं। सुपर स्पेशियलिटी सीटों में भी लगभग 165 प्रतिशत वृद्धि दर्ज

रोड़ंग का हब बनेगा गोरखपुर

गोरखपुर में स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (साई) के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस खिलने की तैयारी शुरू कर दी गई है। यह सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस, रोड़ंग की अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ट्रेनिंग के लिए रामाद्वताल के समीप वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खुलेगा। रोड़ंग स्पोर्ट्स के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले निर्देश के बाद खेल विभाग और वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का अनुसंधान करने वाले गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने कमर कस ली है। बीते तीन साल में रामाद्वताल और वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स रोड़ंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पर्सदीवा लैन्डफार्म के रूप में उभरा है। खेले इंडिया युनिवर्सिटी गेम्स सहित यहां रोड़ंग की चार राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक आयोजित हो चुकी हैं।इन्होंने से दो प्रतियोगिताओं के फाइनल मुक़ाबलों में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने और पुरस्कार वितरण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे थे। मुख्यमंत्री का मानना है कि वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बन जाने से रामगद्वताल में वाटर स्पोर्ट्स का हब बनने की भरपूर संभवनाएं हैं।

गोरखपुर में स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (साई) के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस खिलने की तैयारी शुरू कर दी गई है। यह सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस, रोड़ंग की अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ट्रेनिंग के लिए रामाद्वताल के समीप वर्ल्ड क्लास स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खुलेगा। रोड़ंग स्पोर्ट्स के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले निर्देश के बाद खेल विभाग और वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का अनुसंधान करने वाले गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने कमर कस ली है। बीते तीन साल में रामाद्वताल और वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स रोड़ंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पर्सदीवा लैन्डफार्म के रूप में उभरा है। खेले इंडिया युनिवर्सिटी गेम्स सहित यहां रोड़ंग की चार राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक आयोजित हो चुकी हैं।इन्होंने से दो प्रतियोगिताओं के फाइनल मुक़ाबलों में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने और पुरस्कार वितरण के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे थे। मुख्यमंत्री का मानना है कि वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बन जाने से रामगद्वताल में वाटर स्पोर्ट्स का हब बनने की भरपूर संभवनाएं हैं।

लखनऊ मकबरा-मंदिर विवाद: भारी पुलिस बल तैनात

लखनऊ। मलिहाबाद के कसमंडी कलां गांव में बड़े मंगल को देखते हुए प्रशासन विवादित ढांचों की सुरक्षा बढ़ाते हुए बागों में पुलिस कर्मी तैनात किए हैं। साथ ही ढांचों के पास जाने से पूर्ण रूप से रोक लगा दी है। बीते शनिवार को सुहेलदेव आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी शाम लगभग साढ़े छह बजे दो पुराने ढांचे के पहुंच कर हनुमान चालीसा पढ़ने की कोशिश की थी। साथ ही मंगलवार को फिर आकर हनुमान चालीसा पढ़ने की बात कही थी। जिसके बाद से प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। किसी प्रकार माहौल खराब करने वाली गतिविधियां न हो सके। मंगलवार को पुरातत्व की टीम पहुंचने की उम्मीद है। इस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि पुलिस बल सभी रास्तों के साथ बागों में भी तैनात है। सभी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। लाखन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पासी ने सोमवार को मोहनलाल गंज सांसद आरके चौधरी, अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद, मछली शहर सांसद प्रभिया सरोज, कोशांबी सांसद पुष्पेंद्र सरोज से राज पासी राजा कंस पासी का किला बचाने के लिए वीडियो जारी साथ मांगा था। साथ ही हरदोई, सीतापुर जिलों में ग्रामीणों के साथ नुक़कड़ सभा कर किला बचाने के लिए साथ मांगा।

निराश्रित बच्चों का कमाल बोर्ड परीक्षा में लहराया परचम

बालगृहों के 213 बच्चों ने शानदार सफलता हासिल की

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशील सोच और दूरदर्शी नीतियों के चलते उत्तर प्रदेश की बाल देखरेख संस्थाएं अब केवल आश्रय स्थल नहीं, बल्कि निराश्रित बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नई पाठशाला बन चुकी हैं। महिला कल्याण विभाग के संरक्षण में रह रहे इन बच्चों ने अपनी विपरीत परिस्थितियों को मात देते हुए वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में सफलता का एक नया इतिहास रचा है। विभागीय संस्थाओं और बालगृहों के 213 बच्चों ने बोर्ड परीक्षाओं में शाद्वार सफलता हासिल की है, जिनमें से 107 बच्चों ने 60 प्रतिशत से अधिक अंक (प्रथम श्रेणी) लाकर समाज के सामने आत्मनिर्भरता और अटूट होसदी के एक अद्वितीय मिसाल पेश की है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यटनाथ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप राजकीय सम्प्रैक्षण गृहों और बालगृहों में रहने वाले बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। इन संस्थाओं में बच्चों के केवल खान-पान या रहने पर ही ध्यान नहीं दिया जा रहा, बल्कि उनके मानसिक,



सामाजिक और नैतिक विकास के लिए एक सकारात्मक और संस्कारयुक्त माहौल तैयार किया गया है। व्यावसायिक और मनोवैज्ञानिक कार्डसिलिंग सेवाओं के जरिए इन बच्चों के भीतर से अकेलेपन और हीनभावना को दूर कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। महिला कल्याण विभाग द्वारा इन विशेष बच्चों को वे सभी आधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं, जो किसी संपन्न परिवार के बच्चों को मिलती हैं। बालगृहों में रहने वाले बच्चों के लिए स्मार्ट क्लास की सुविधा और नियमित ऑनलाइन कोचिंग की व्यवस्था की गई। अनुभवी शिक्षकों द्वारा नियमित शैक्षिक मार्गदर्शन और

एडवांस स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया गया। बच्चों में आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण जगाने के लिए लगातार व्यक्तिगत विकास और मोटिवेशनल सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। महिला कल्याण विभाग की निदेशक सी. इंदुमति ने आंकड़ों को साक्षा करतें हुए बताया कि कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जीवन व्यतीत करने वाले इन बच्चों की यह उपलब्धि पूरे राज्य के लिए गौरव की बात है। अपने माता-पिता या पारिवारिक सहयोग के अभाव के बावजूद, इन बच्चों ने अपनी कड़ी मेहनत, कड़े अनुशासन और मजबूत आत्मविश्वास के दम पर खुद को साबित किया है।

टाटा और डेलॉयट के साथ युवाओं को संवारेगी योगी सरकार
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए राज्य सरकार ने कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा के मोर्चे पर दो दिग्गज वैश्विक संस्थाओं को साथ जोड़ा है। प्रदेश के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार दिलाने और औद्योगिक प्रशिक्षण को ‘इंडस्ट्री 4.0’ के अनुरूप ढालने के लिए टाटा टेक्नोलॉजीज और डेलॉयट मिलकर एक भविष्यवादी रणभेज तैयार कर रहे हैं। व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में दोनों कंपनियों ने राज्य के युवाओं के कौशल विकास, आईटीआई संस्थानों के आधुनिकीकरण और वैश्विक रोजगार के अवसरों को लेकर अपनी विस्तृत प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया है। समीक्षा बैठक में टाटा टेक्नोलॉजीज के प्रतिनिधियों ने राज्य के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (ITI) के कायाकल्प की प्रगति रिपोर्ट साझा की। कंपनी पीपीपी (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) मॉडल के तहत इन पारंपरिक संस्थानों को ‘सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस’ के रूप में अपग्रेड कर रही है। इसके तहत युवाओं को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। विश्व प्रसिद्ध परामर्शदाता कंपनी डेलॉयट के विशेषज्ञों ने 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की दिशा में कौशल विकास की रणनीतिक भूमिका का खाका खींचा। डेलॉयट ने भविष्य के वैश्विक रोजगार रूझानों का विश्लेषण करते हुए सरकार को कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। राज्य में आने वाले बड़े औद्योगिक निवेश को सीधे स्थानीय युवाओं के कौशल प्रशिक्षण से लिंक किया जाए। उद्योगों की तात्कालिक मांग के अनुसार कस्टमाइज़्ड स्किल कोर्स शुरू किए जाएं ताकि कंपनियों को निवेश करते ही कुशल श्रमशक्ति मिल सके।

जिला पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल बढ़ाएगी सरकार
यूपी में अब त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2027 के विधानसभा चुनाव के बाद ही होगा। सोमवार को योगी आदित्यनाथ सरकार ने ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 6 महीने के लिए बढ़ा दिया। जिससे इस बात पर लगभग मुरर भी लग गई है। प्रधानों की तर्ज पर ही अब जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुखों के कार्यकाल बढ़ाने की तैयारी सरकार कर रही है। ग्राम प्रधानों की तर्ज पर इन पदाधिकारियों का भी 6 महीने का कार्यकाल बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, सरकार जल्द ही इस संबंध में अधिसूचना जारी कर सकती है। जिला पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल 11 जुलाई 2026 को समाप्त हो रहा है, जबकि ब्लॉक प्रमुखों का कार्यकाल 19 जुलाई 2026 को खत्म होने वाला है। इन दोनों पदों पर 6 महीने का विस्तार दिए जाने की संभावना है। सरकार की योजना है कि कार्यकाल बढ़ाने के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर इन पदों पर प्रशासक भी नियुक्त किए जा सकते हैं। इससे पंचायती राज संस्थाओं में चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक प्रशासनिक कार्य सुचारु रूप से चल सके। पिछले दिनों ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाए जाने के बाद अब जिला और ब्लॉक स्तर पर भी यही व्यवस्था लागू करने की तैयारी चल रही है। इससे स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों में व्यवधान नहीं आएगा और चुनाव की तैयारियों के लिए पूर्णतः समय मिल सकेगा। उत्तर प्रदेश में पंचायती राज चुनावों की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। ऐसे में योगी सरकार इन महत्वपूर्ण पदों पर अस्थायी व्यवस्था करके विकास योजनाओं को गति देने और प्रशासनिक निरंतरता बनाए रखना चाहती है।

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को सपा कार्यालय में प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने भाजपा जमकर बोला। पुलिस की कार्यशैली भी सवाल उठाए। कहा कि आजकल फेक एनकाउंटर की खबरें काफी सुनने को आ रही हैं। कई परिवारों ने इस बारे में खुलकर बात की है। इससे पता चलता है कि सरकार फेक एनकाउंटर की सजिशा लगातार कर रही है। सरकार की मर्जी के अनुसार फेक एनकाउंटर हो रहा है। अपनी धाक जमाने के लिए यूपी में एनकाउंटर किए जा रहे हैं। ये सरकार जाति देखकर एनकाउंटर करवाती है। अखिलेश यादव ने कहा, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही केंद्र की भाजपा सरकार भी गिर जाएगी। भाजपा



यूपी में धाक जमाने की ही रहे फेक एनकाउंटर

सरकार “फेक एनकाउंटर” की तरह “फेक अर्थव्यवस्था” का भी प्रचार कर रही है। डॉलर जितना ऊपर जाएगा, चाय उतनी महंगी होती जाएगी और इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है।भाजपा सरकार के 10 वर्षों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग पर सबसे ज्यादा अत्याचार हुए हैं। सबसे

बिजली संकट के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार
सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा, प्रदेश में बिजली संकट के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है। भीषण गर्मी में अधोषि बिजली कटौती से जनता बेहाल है। भाजपा ने दस साल में बिजली के क्षेत्र में कोई काम नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने केवल बिजली का बिल बढ़ाकर जनता से लूट की है। आज प्रदेश में जो बिजली मिल रही है, वह सपा सरकार में लगाए गए बिजलीघरों से आ रही है।

अधिक फर्जी एनकाउंटर पीडीए वर्ग के लोगों के हुए हैं और उन्हें धमकाने के उद्देश्य से इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। अखिलेश यादव ने जौनपुर के एक यादव पुजारी के कथित एनकाउंटर का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ने संघर्ष करके पुजारी परिवार को न्याय दिलाया और दौषियों को जेल भिजवाया। फर्जी एनकाउंटर

करने वाले लोग “मानसिक रोगी” बन जाते हैं। उन्होंने 2020 हाथरस केस का जिक्र करते हुए कहा कि जो तस्वीर 2020 में हाथरस में देखने को मिली थी, वैसी ही स्थिति अब 2026 में भी दिखाई दे रही है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी है और सरकार के संरक्षण में फर्जी एनकाउंटर किए जा रहे हैं।

उन्नाव में दर्दनाक हादसा

बस पलटने से 7 लोगों की मौत

गोरखपुर। दिल्ली से गोरखपुर जा रही प्राइवेट स्लीपर बस मंगलवार सुबह पांच बजे लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक दरोगा, समेत सात यात्रियों की मौत हो गई। वहीं तीन पुलिसकर्मों समेत 24 यात्री घायल हुए हैं। हादसे के वक्त बस में 52 यात्री थे। बाद कि रफ्तार इतनी तेज थी पलटने के बाद करी 100 मित्र तक घिसती चली गई। दिल्ली से गोरखपुर जा रही स्लीपर बस में कुल 52 यात्री सवार थे। तेज रफ्तार होने के कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और बस पुलिया से टकराने के बाद पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। करीब आधे घंटे बाद यूपीडा कर्मी और पुलिस मौके पर पहुंची तथा राहत एवं



बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद 24 घायलों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतकों के लिए कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। एस्पी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि कुछ घायल यात्रियों की हालत गंभीर होने से लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

फतेहपुर यार्ड में लगी भीषण आग, 40 वाहन खाक

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के मलवां थाना क्षेत्र के सोरा गांव के पास स्थित यार्ड में खड़ी कम से कम 40 से अधिक छोटी-बड़ी गाड़ियां जलकर राख हो गई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को जानकारी दी। मलवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड टीम के साथ यहात एवं बचाव कार्य शुरू किया। मगर जब आग पर काबू पाया जा सकता, तबतक भारी नुकसान हो चुका था। बताया जा रहा कि किस्त जमा नहीं करने वालों की गाड़ियां यार्ड में खींच कर खड़ी



की गई थीं। पहले करीब 16 ट्रकों में संदिग्ध परिस्थितियों में भीषण आग लग गई। भीषण गर्मी के कारण आग एक घंटे से ज्यादा समय तक लगी रही। मौके पर मौजूद यार्ड में काम करने वाले कर्मी राजीव पटेल ने बताया कि इस यार्ड में प्राइवेट फाइनेंस गाड़ियां को खींचकर लाया जाता है और यार्ड के अंदर करीब सौ के ऊपर ऑटो व ट्रक खड़े थे।

यार्ड के पीछे खेत में आग लगने के बाद यार्ड के अंदर आग लगी है। उन्होंने कहा कि यार्ड में पानी की व्यवस्था नहीं होने से हम लोग कुछ न कर सके। बता दें कि जिस समय आग लगी है उस समय यार्ड के अंदर 6 से 7 कर्मी मौजूद थे। आग से करीब 30 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर

काबू पाया। इस भीषण आग में 16 ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो गए। जबकि कुल मिलाकर 40 से अधिक छोटी-बड़ी गाड़ियां जलकर राख हो गईं। प्रांरभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आग से लाखों-करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका है। गनीमत रही कि घटना के दौरान किसी जनहानि के सूचना नहीं है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट, लापरवाही की टीम ने अन्य कारण से लगी।

सेफ्टी टैंक में गिरने से सात वर्षीय मासूम की मौत

खेलते समय हुआ हादसा, बचने का प्रयास करती रही बच्ची

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर नगर के भगत सिंह वार्ड में सोमवार रात एक दर्दनाक हादसे में सात वर्षीय मासूम बच्ची की सेफ्टी टैंक में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि मोहल्ले में शोक की लहर फैल गई। जानकारी के अनुसार भगत सिंह वार्ड निवासी पुनवासी उर्फ बाबा की पुत्री नैना गौतम (7) सोमवार रात करीब आठ बजे अपने घर के पास अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। खेलते-खेलते वह पड़ोस में स्थित सालिकराम के निर्माणधीन मकान के पास पहुंच गई। वहां एक सेफ्टी टैंक बना हुआ था, जिसमें पानी भरा था। बताया जा रहा है कि टैंक खुला हुआ था और उसके चारों ओर

किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई थी। खेल के दौरान अचानक नैना का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे पानी से भरे टैंक में जा गिरी। आसपास मौजूद बच्चों ने शोर मचाया तो परिजन और स्थानीय लोग मौके की ओर दौड़े। काफी प्रयास के बाद बच्ची को टैंक से निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। इस हृदयविदारक घटना से पूरे मोहल्ले में मातम छा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि निर्माणधीन सेफ्टी टैंक खुला छोड़ दिया गया था, जिससे पहले भी हादसे की आशंका बनी हुई थी।

बैंक मित्र की आंखों में झोंकी मिर्च, तमंचा दिखाकर लूट

मथुरा। मथुरा के फरह थाना क्षेत्र में एक बैंक मित्र के साथ हुई लूट की वार्दात को अंजाम देने वाले चारों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की तस्फता से न केवल लूटी गई राशि, बल्कि घटना में प्रयुक्त बाइक और हथियार भी बरामद किए गए हैं। यह गिरफ्तारी पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। जानकारी के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों ने बैंक मित्र रामरज से लूटपाट के दौरान उन्होंने आंखों में मिर्चों पाउडर झांक दिया था और तमंचे का भय दिखाकर बैग छीन लिया था। इस घटना को अंजाम देने के बाद से ही



पुलिस इन आरोपियों की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चारों को दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान समीगर थाना बमरौली कटारा, आगरा निवासी भवनेश, अंकित, पवन और झुड़ाई थाना फरह निवासी संजू उर्फ संजय के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास

से घटना में लूटे गए 55 हजार रुपये, एक टीवीएस बाइक और एक अवैध तमंचा बरामद किया है। यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए इन चारों आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है। पूर्व में भी इन पर विभिन्न थानों में कई धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है। यह उनकी पिछली वारदातों की ओर इशारा करता है और बताता है कि वे आदतन अपराधी हैं। पुलिस से भवनेश, अंकित और पवन को सोमवार रात करनपुर तिराहे से गिरफ्तार किया, जबकि संजू को परखम बंबा की पुलिया के पास से पकड़ा गया।

‘माफ कर दीजिए अब गोली नहीं चलाऊंगा’

आजमगढ़। आजमगढ़ में थाना बिलरियागंज पुलिस ने झपटमारी की घटना का सफल अनावरण करते हुए सोमवार की रात मुठभेड़ के दौरान एक अभियुक्त को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके साथ शामिल एक बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने मौके से तमंचा, कारतूस, नगदी, मोबाइल फोन, लेडीज बैग और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। एसपी ग्रामीण निराग जैन ने बताया कि 23 मई को महजबीन पत्नी शदाब अहमद निवासी ग्राम जमीन रसूलपुर थाना रौनपारा ने थाना बिलरियागंज में तहरीर देकर बताया था कि वह बिलरियागंज बाजार से ई-रिक्षा से घर जा रही थीं।

गंगा एक्सप्रेसवे पर दौड़ेंगी रोडवेज की लगजरी बसें

मेरठ। गंगा एक्सप्रेसवे के जरिए मेरठ से प्रयागराज तक का सफर जल्द ही तेज और आसान होने वाला है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम मेरठ के सोहराबगेट डिपो से प्रयागराज के लिए प्रतिदिन पांच रोडवेज बसें चलााने की तैयारी कर रहा है। इन बसों का संचालन गंगा एक्सप्रेसवे के रास्ते किया जाएगा। परिवहन निगम किराया भी किफायती रखने पर विचार कर रहा है, ताकि अधिक से अधिक यात्री इस सुविधा का लाभ उठा सकें। फिलहाल प्रयागराज डिपो से मेरठ के लिए दो रोडवेज बसों का संचालन किया जा रहा है, लेकिन इन बसों में यात्रियों की संख्या उम्मीद में मुताबिक नहीं मिल रही है। इसे देखते हुए सोहराबगेट डिपो प्रशासन गंगा एक्सप्रेसवे रूट पर संभावित यात्रियों का सर्वे भी करा रहा है। इभर



गंगा एक्सप्रेसवे में कमाकिएए में लगजरी बसों का सफर

गंगा एक्सप्रेस-वे के रास्ते प्रयागराज से मेरठ के लोगों के लिए दो बसें चल रही हैं। प्रयागराज से मेरठ के बीच 10 स्थानों पर बस रुकेगी। यह अधिकृत स्टॉपेज होगा, यानी यहां से यात्री चढ़ उतर सकेंगे। हालांकि, इनका किराया अभी तय नहीं हुआ है। सर्वे टीम ने रास्ते में संभावित स्टॉपेज का निरीक्षण कर एक प्रस्ताव तैयार किया है। इसके तहत प्रयागराज से बस चलने के बाद सोरांव

बाईपास, लालगंज अझारा बाईपास, लालगंज बैसवा बाईपास, उन्नाव बाईपास, बिलग्राम बाईपास, हरदोई-फर्रुखाबाद बाईपास, जलालाबाद-शाहजहांपुर बाईपास, बदर्यू बाईपास, गदगोब बदायूं मेरठ में होगा। इन स्टॉपेज पर रोडवेज यात्री सुविधा भी विकसित करने की तैयारी कर रहा है। प्रयागराज से मेरठ की 635 किलोमीटर की दूरी के लिए 839 रुपए किराया है। लेकिन प्रयागराज और मेरठ दोनों के बीच 10 स्टॉपेज के लिए कितना किराया होगा यह मुख्यालय स्तर से तय होगा। प्रयागराज-मेरठ रोडवेज बस सेवा का ट्रायल एक दिन पहले ही पूरा कर लिया गया है। ट्रायल में लीडर रोड डिपो की बस ने 10.30 घंटे में मेरठ की दूरी तय की है।

प्रेमी ने शादी से किया इंकार तो प्रेमिका चढ़ गई मोबाइल टावर पर

पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को समझाने-बुझाने का प्रयास किया

वाराणसी। थाना क्षेत्र के परिंचमपुर अहरक गांव में आज सुबह सात बजे एक 21 वर्षीय युवती द्वारा मोबाइल टावर पर चढ़ने से हड़कंप मच गया। युवती ने कहा कि यदि उसका प्रेमी उससे शादी नहीं करेगा, तो वह कूदकर आत्महत्या कर लेगी। इस घटना के बाद गांव में बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए और युवती को नीचे उतारने का प्रयास करने लगे। जब ग्रामीणों के प्रयास विफल रहे, तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को समझाने-बुझाने का प्रयास किया।



पुलिस ने किसी तरह युवती को टावर से नीचे उतारकर अपने साथ थाने ले आई। इसके बाद दोनों पक्ष के परिजनों को भी थाने बुलाया गया। लड़का और लड़की शादी के लिए

तैयार हो गए थे, लेकिन दोनों के परिजनों के बीच वाद विवाद जारी था। हालांकि पुलिस ने दखल देते हुए दोनों की शादी करा दी। जानकारी के अनुसार, युवती का प्रेम संबंध इसी थाना क्षेत्र के निवासनी गांव के सनी विश्वकर्मा के साथ काफी समय से चल रहा था। लेकिन परिजनों के दबाव के कारण सनी शादी करने से इंकार करने लगा। इससे क्षुब्ध होकर युवती ने यह कदम उठाया। पुलिस का कहना है कि लड़का और लड़की शादी के लिए राजी हो गए हैं, लेकिन अभी भी दोनों के परिजनों को समझाने का प्रयास जारी है। इस

घटना ने गांव में चर्चा का विषय बना दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रेम संबंधों में परिवारों का दबाव कभी-कभी युवाओं को इस तरह के कदम उठाने के लिए मजबूर कर देता है। पुलिस ने भी इस मामले में संवेदनशीलता दिखाई और युवती को सुरक्षित रूप से नीचे उतारने में सफल रही। स्थानीय पुलिस ने बताया कि युवती की मानसिक स्थिति को देखते हुए उसे समझाने का प्रयास किया गया। पुलिस ने कहा कि इस तरह की घटनाएं समाज में प्रेम और विवाह के मुद्दे पर विचार करने की आवश्यकता को दर्शाती हैं।

लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर भीषण हादसा, 4 की मौत, 3 घायल

वाराणसी। हैदरागढ़ में लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर शनिवार भोर में हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा भिखरा गांव के पास सुबह करीब तीन बजे हुआ, जब तेज रफ्तार इनोवा सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से जा भिड़ी। ट्रकवर इतनी जोरदार थी कि इनोवा के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, इनोवा सवार युवक कैचै धाम दर्शन-पूजन के लिए वाराणसी से निकले थे।

आगरा-मथुरा के लिए भी चलेगी बुलेट ट्रेन

350 किमी.प्रतिघंटा होगी रफ्तार



आगरा। यमुना प्राधिकरण के पांच में से तीन अर्बन स्टेट्स यानी औद्योगिक टाउनशिप को बुलेट ट्रेन आपस में जोड़ेगी। दिल्ली-वाराणसी हाईस्पीड ट्रेन प्रोजेक्ट में मथुरा में राया अर्बन सेंटर के पास इटौली गांव और आगरा अर्बन सेंटर के पास एल्मदपूर मदरा गांव के पास में बुलेट ट्रेन के स्टेशन बनाए जाने प्रस्तावित हैं। इन जगहों पर इलाके को विकसित कर राजस्व जुटाने के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, इनोवा सवार युवक कैचै धाम दर्शन-पूजन के लिए वाराणसी से शुरू कर दी है। सोमवार को

एनएचएसआरसीएल के कंसल्टेंट नाइट फ्रेंक के प्रतिनिधि ने रूट अलाइनमेंट और स्टेशनों की लोकेशन को लेकर यमुना प्राधिकरण के एसईओ शैलेंद्र भाटिया से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि उन्हें राया अर्बन सेंटर और आगरा अर्बन सेंटर दोनों जगह करीब 250 एकड़ या अधिक

जमीन चाहिए। इस जमीन पर आवासीय व कार्माशियल उपयोग के निर्माण किए जाएंगे। यह बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए अतिरिक्त राजस्व आय का भी माध्यम बनेगा। जहां भी स्टेशन आएंगे, उसके आसपास भी विकास हो सकेगा। इसको लेकर आगरा विकास प्राधिकरण से कंसल्टेंट कंपनी ने संपर्क किया है। आगरा अर्बन सेंटर को पहले ही इनर रिंग रोड इस बुलेट ट्रेन के स्टेशन से जोड़ेगी। यह स्टेशन आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की एंटी के पास प्रस्तावित किया गया है।

हर जिला अपनी अर्थव्यवस्था बनाने की पहल करे-मुख्य सचिव श्री जैन ने कलेक्टर कांफ्रेंस में की समीक्षा

आमजन के मामलों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने के निर्देश, अवैध गतिविधियों और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करें

भोपाल : मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अपनी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में संवेदनशील प्रयास करे। लोक सेवा गारंटी, सी.एम. हेल्पलाइन और जनसुनवाई राज्य शासन के सुशासन के पैमाने हैं। सभी अधिकारियों को आमजन से जुड़े मामलों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर संवेदनशील होकर कार्य करना होगा। उन्होंने अवैध गतिविधियों को सख्ती से रोकने और अपराधियों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव श्री जैन ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक के साथ योजनाओं, कार्यक्रमों तथा कानून व्यवस्था की समीक्षा की। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव श्री जैन ने सुशासन के विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की और कलेक्टरों से कहा कि नामांतरण, सीमांकन और बंटवारा



के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण हो और प्रयास करें कि एक भी प्रकरण निर्धारित अवधि से बाहर नहीं जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जनसुनवाई के दौरान अधिकारी मानवीय दृष्टिकोण अपनाएं और शिकायतकर्ता की शिकायत को

गंभीरता से लें तथा शिकायत का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। उन्होंने स्वाभिमूर्त्य योजना में और बेहतर कार्य करने की जरूरत बताई तथा

राजस्व संग्रहण बढ़ाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने नजूल नवीनीकरण के कार्य को जन-अभियान चलाकर पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सी.एम. हेल्पलाइन के शत-प्रतिशत प्रकरणों को अटेंड करने और

पेयजल की शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकृत करने को कहा है। मुख्य सचिव श्री जैन ने पुलिस अधीक्षक और कलेक्टरों से कहा कि अवैध गतिविधियों में लिस व्यक्तियों और अपराधियों में शासन-प्रशासन का खौफ होना चाहिए। मुख्य सचिव ने अपर मुख्य सचिव गृह से कहा कि वे अपराधों की रोकथाम आदि के लिए एक प्रक्रियागत निर्देश कलेक्टरों और एसपी को भेजें। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को गंभीरता से लें। अवैध खनिज उखनन तथा भंडारण और परिवहन पर सख्त कार्रवाई करें, डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की हर माह मीटिंग करें। बिना नम्बर प्लेट और टूटी-फूटी नम्बर प्लेट के खनिज के अवैध परिवहन में लिस पाए जाने वाले वाहनों को राजसात करें और जितनी जल्दी हो ऐसे वाहनों को नीलाम भी किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि खनन अपराधों के पुराने प्रकरण निकाले जाएं और समीक्षा कर पता लगाएं कि किन मामलों में अब तक सजा हुई है और यदि सजा नहीं हुई है तो ऐसे प्रकरणों में तत्परता से औपचारिकता पूर्ण कर सजा दिलाने के प्रयास किये जाएं। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने शैक्षणिक संस्थाओं के आस-पास के क्षेत्र को ड्रग फ्री जोन बनाने के लिए कहा है। उन्होंने एनकार्ड की बैठक हर माह करने तथा पाक्सो एक्ट के मामलों में त्वरित गति से कार्रवाई करने के लिए कहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि विस्फोटक अधिनियम का पूरे प्रदेश में सख्ती से पालन किया जाए और आमजन को भी सूचना तंत्र में शामिल करें तथा अवैध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तत्काल सख्त कार्रवाई करें।

मंत्री परमार ने कुआं हादसे में दिवंगत श्रमिकों के परिजन से की भेंट

पीड़ित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है प्रदेश सरकार

भोपाल : उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को अजयगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम बीहरपुरवा के नयापुरवा पहुंचकर गत मंगलवार को कुआं धसकने की हृदय विदारक घटना में दिवंगत पांच श्रमिकों के परिजनों से भेंट की। मंत्री श्री परमार ने शोकाकुल परिवारों को ढाढस बंधाते हुए अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की।

प्रभारी मंत्री श्री परमार ने कहा कि यह अत्यंत पीड़ादायक एवं दुःखद दुर्घटना है, जिसने पूरे क्षेत्र को शोकाकुल कर दिया है। दिवंगत श्रमिक अपने परिवारों के बेहतर भविष्य के लिए कठिन परिश्रम कर रहे थे। इस दुःख की घड़ी में प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मंत्री श्री परमार ने आश्वस्त किया कि

पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। बेटियों की शिक्षा सहित शासन की



विभिन्न योजनाओं का लाभ भी सुनिश्चित किया जाएगा। मंत्री श्री परमार ने घटना की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए तथा कहा कि जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक

अधिकारी निरंतर पीड़ित परिवारों के संपर्क में रहकर हर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएं। इस दौरान

सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री ब्रजेंद्र प्रताप सिंह, श्री बुजेंद्र मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मीना राजे, कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू भी उपस्थित थीं।

भीषण गर्मी में स्कूल खोलना बच्चों और शिक्षकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ : सतीश शर्मा

ग्रीष्म अवकाश बढ़ाकर 1 जुलाई से शुरू हो नया शैक्षणिक सत्र, शिक्षक कांग्रेस ने शासन से की मांग

बैरसिया (भोपाल) प्रदेश में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और 46 डिग्री तक पहुंच रहे तापमान को देखते हुए मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस एवं मध्य प्रदेश अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा ने शैक्षणिक सत्र को 1 जुलाई से प्रारंभ करने की मांग उठाई है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष एवं संयुक्त मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष सतीश शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में जून माह में स्कूल खोलना छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में इन दिनों गर्मी चरम पर है। तेज लू और लगातार बढ़ते तापमान के कारण आमजन गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। ऐसे समय में शिक्षकों

पर जनगणना के प्रथम चरण 'मकान सूचीकरण' का महत्वपूर्ण दायित्व भी है, जिसमें बड़ी संख्या



में महिला कर्मचारी एवं स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाएं घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। 46 डिग्री तापमान में यह कार्य अत्यंत कठिन और स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण है।

शिक्षक कांग्रेस ने कहा कि पूर्व

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 1 जून से शिक्षकों तथा 15 जून से विद्यार्थियों के लिए नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ करने की तैयारी की जा रही है, लेकिन वर्तमान मौसम परिस्थितियों को देखते हुए यह निर्णय छात्र हित में नहीं है। संगठन ने यह भी उल्लेख किया कि आसपास के कई राज्यों ने भीषण गर्मी को देखते हुए जून माह में स्कूल प्रारंभ नहीं करने का निर्णय लिया है।

संगठन के पदाधिकारियों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश में वृद्धि की जाए तथा नया शैक्षणिक सत्र 1 जुलाई 2026 से प्रारंभ किया जाए। इस मांग का समर्थन करने

वालों में अशोक प्रताप सिंह, अनीता सारस्वत, महेंद्र दीक्षित, धर्मेन्द्र सिंह, हरीश नामदेव, आर.पी. सिंह, सुनील मिश्रा, कौशल शर्मा, नरेंद्र सिंह तोमर, रामरतन सिंह, सुरेश रावत, तुलसी रावत, सलमा शाह, नलिनी शाक्य, राजेश पांडे, कमल राठौर, बलवीर सिंह, सरमन कोली, अमित सिंह, पवन अवस्थी, हेमराज राणा, प्रमोद गौतम, कैलाश उईके, राकेश बलिया, अरुण सिंह कुशवाहा, हरिप्रसाद, संतोष मिश्रा, अभिमन्यु पांडे, विजय सिंह, मोहनचंद तिवारी, मनोज मेहर, उमाशंकर त्रिपाठी, रामहित, संजय मछीवाल, मोहम्मद ताज, किशन मौर्य, आशा पुरोहित, सीमा डोंगरे, अमित सिंह सिंगर, धनंजय सिंह, प्रभु मेहता सहित अनेक पदाधिकारी शामिल हैं।

पी.सी.पी.एन.डी.टी. जिला सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

भोपाल पी.सी.पी.एन.डी.टी. एक्ट के तहत जिला सलाहकार समिति बैठक की बुधवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में आयोजित



हुई। बैठक में प्राप्त आवेदनों पर चर्चा, मासिक निरीक्षण रिपोर्ट, एक्ट के प्रावधानों के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। समिति द्वारा नवीन पंजीयन, एडिट एप्लीकेशन

एवं नवीनीकरण आवेदनों पर चर्चा कर कर स्वीकृति दी गई।

सीएमएचओ भोपाल डॉ.मनीष शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में समिति सदस्य सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन, डॉ. शैलेश लुणावत, डॉ. रणधीर सिंह, जिला अभियोजन अधिकारी श्री राजेंद्र उपाध्याय, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योति खरे सहित समिति सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में 41 अस्पतालों और सोनोग्राफी केंद्रों के आवेदनों के नवीन पंजीयन, नवीनीकरण और एप्लीकेशन एडिट पर चर्चा कर समिति की अनुशंसा अनुसार कार्यवाही की गई।

भोपाल। पीपुल्स स्टेडियम में आर पी फाउंडेशन द्वारा आयोजित पीपुल्स प्रीमियर लीग (PPL 1.0) इंटर कॉलेज फैकल्टी नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में Peoples College of Medical Sciences x Research Centre की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में टीम ने Mansarovar Medical College को 26 रनों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में Chirayu Medical College, LN Medical College, GMC Vidisha, Mahaveer Medical College, मानसरोवर मेडिकल कॉलेज सहित कुल छह मेडिकल कॉलेजों की टीमें भी भाग लिया। PCMS एंड RC टीम ने पूरे टूर्नामेंट में सभी मैच जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। इस अवसर पर आर पी फाउंडेशन के संस्थापक एवं

पीपुल्स ग्रुप के वाइस चेयरमैन रोहित पंडित उपस्थित रहे तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। वहीं कार्यकारी चिकित्सा अधीक्षक पीपुल्स हॉस्पिटल Dr.



Sadat Qureshi एवं चिकित्सा अधीक्षक मानसरोवर मेडिकल कॉलेज Dr. Gautam Banerjee ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। प्रमुख उपलब्धियां प्लेयर ऑफ द मैच: Dr.

Anuvrat Bhatnagar – 34 रन एवं 1 विकेट बेस्ट बॉलर (फाइनल): Dr. Sandeep Sharma – 2 ओवर में 3 महत्वपूर्ण शीर्ष विकेट

Choubey बेस्ट विकेटकीपर: Dr. Prince Lokwani विजेता टीम के खिलाड़ी 1. डॉ. संदीप शर्मा – प्रोफेसर,

असिस्टेंट प्रोफेसर, मेडिसिन (उपकसान) 5. डॉ. राजबली – असिस्टेंट प्रोफेसर, मेडिसिन 6. डॉ. रवि मल्होत्रा – प्रोफेसर, ऑर्थोपेडिक्स 7. डॉ. विशाल श्रीवास्तव – एसोसिएट प्रोफेसर, पीडियाट्रिक्स 8. डॉ. रोहित छत्री – असिस्टेंट प्रोफेसर, मेडिसिन 9. डॉ. गौतम – असिस्टेंट प्रोफेसर, ऑर्थोपेडिक्स 10. डॉ. शैलज चौबे – सीनियर रेजिडेंट, रेडियोलॉजी 11. डॉ. प्रदीप मेवाड़ा – सीनियर रेजिडेंट, मेडिसिन 12. डॉ. वकार – सीनियर रेजिडेंट, सर्जरी 13. डॉ. विजय सविता – सीनियर रेजिडेंट, साइकियाट्री टूर्नामेंट के टॉप-5 MVP खिलाड़ियों में से 3 खिलाड़ी PCMS एंड RC टीम के रहे। इस जीत पर खिलाड़ियों, स्टाफ एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल है।

बैंकॉक में गुंजा मध्य प्रदेश का नाम : LNCT यूनिवर्सिटी को मिला 'ग्लोबल एजुकेशन अवार्ड'

भोपाल/बैंकॉक: मध्य प्रदेश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी (LNCT University) ने वैश्विक पटल पर एक बार फिर राज्य और देश का नाम रोशन किया है। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित 'ग्लोबल एजुकेशन समिट 2026' में एलएनसीटी यूनिवर्सिटी को ** 'स्मार्ट' एजुकेशन %0Mm आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (AI) के माध्यम से स्मार्ट शिक्षा) के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। 26 मई 2026 को 'एडुस्किल्स इंटरनेशनल' (EduSkills International) द्वारा आयोजित

इस भव्य शिखर सम्मेलन में, एलएनसीटी ग्रुप की ओर से डॉ. अंबकेश्वर पाठक ने यह सम्मान



प्रहण किया। **उच्च शिक्षा में तकनीकी क्रांति का सम्मान :** यह वैश्विक पुरस्कार एलएनसीटी यूनिवर्सिटी द्वारा उच्च शिक्षा में आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस (AI) को शामिल करने के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। यूनिवर्सिटी प्रशासन के अनुसार,

संस्थान छात्रों को भविष्य की बदलती तकनीकी दुनिया के लिए तैयार करने और क्लासरूम लर्निंग को अधिक स्मार्ट व प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। **इस रिकॉग्निशन से संस्थान**

में **खुशी की लहर** है मध्य प्रदेश के क्लासरूम से निकलकर थाईलैंड के वैश्विक मंच तक मिली इस पहचान से पूरे एलएनसीटी परिवार में उत्साह और गर्व का माहौल है। संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों, संकाय सदस्यों (Faculty), पूर्व छात्रों (Alumni) और विद्यार्थियों ने इस ऐतिहासिक सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे एक सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया है। यूनिवर्सिटी के प्रबंधन ने इस मौके पर कहा, 'यह पुरस्कार हमारे उस संकल्प को मजबूती देता है, जिसके तहत हम अपने विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और भविष्य के अनुकूल (Future-Ready) बनाना चाहते हैं। यह पूरे मध्य प्रदेश और देश के लिए एक गौरवशाली क्षण है।'

पर्यावरण के अनुकूल पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन पटरियों पर दौड़ने को तैयार

भोपाल। भारतीय रेलवे ने हरित एवं टिकाऊ परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तरी रेलवे के जिंद-सोनीपत रेलखंड पर हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित 10 डिब्बों वाली स्वदेशी ट्रेन चलाने की मंजूरी प्रदान कर दी है। 1200 किलोवाट क्षमता वाली यह ट्रेन अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से संचालित होगी और जल्द ही पटरियों पर दौड़ती नजर आएगी।

हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक के माध्यम से हाइड्रोजन की रासायनिक प्रतिक्रिया से बिजली उत्पन्न की जाती है, जिसमें केवल जल वाष्प का उत्सर्जन होता है। इस कारण यह तकनीक पारंपरिक जीवाश्म ईंधन आधारित रेल प्रणालियों की तुलना में अधिक स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल मानी जा रही है। वैश्विक स्तर पर

हाइड्रोजन आधारित रेल प्रणालियों को सतत परिवहन का प्रभावी विकल्प माना जा रहा है।



श्रेणी में शामिल हो गया है, जो स्वच्छ रेल परिवहन के लिए हाइड्रोजन तकनीक का उपयोग और परीक्षण कर रहे हैं। फिलहाल यह तकनीक प्रारंभिक चरण में है

और दुनिया के कुछ ही देशों में इसका संचालन या परीक्षण किया जा रहा है। भारतीय रेलवे ने हरियाणा के जिंद-सोनीपत खंड को इस परियोजना के लिए पायलट रूट के रूप में चुना है। जिंद में स्वदेशी हाइड्रोजन भंडारण एवं ईंधन भरने की सुविधा स्थापित की गई है। पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) द्वारा संपीड़ित हाइड्रोजन गैस के भंडारण और वितरण के लिए आवश्यक लाइसेंस भी जारी कर दिए गए हैं। रेलवे द्वारा हाइड्रोजन संपीड़न प्रणाली, तकनीकी सहायता एवं आवश्यक पुर्जों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि ट्रेन का संचालन सुरक्षित और निबांध रूप से हो सके। आपात स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त कंटेनर यूनिट भी स्थापित की जा रही है। सुरक्षा के मद्देनजर हाइड्रोजन

उत्पादन, भंडारण एवं वितरण केंद्रों पर रिसाव और आग का पता लगाने वाले अत्याधुनिक सेंसर लगाए गए हैं, जिनकी नियमित जांच और सफाई की जाएगी। रेलवे अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा अनुमोदित हाइड्रोजन ट्रेन-सेट और संयंत्र के संचालन एवं रखरखाव संबंधी दिशा-निर्देश भी तैयार किए गए हैं। शकुरुबस्ती में प्रस्तावित रखरखाव केंद्र पर सुरक्षा प्रोटोकॉल, नियमित ऑडिट और मानक संचालन प्रक्रियाओं के पालन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। रेलवे ने इस परियोजना के अंतर्गत चौबीसों घंटे निगरानी, प्रशिक्षित एवं प्रमाणित तकनीकी कर्मचारियों की तैनाती तथा नियमित निरीक्षण और रखरखाव को अनिवार्य बनाया है।

जनगणना के नाम पर साइबर हमला

डिजिटल भारत के इस दौर में जहां हर सरकारी सेवा तेजी से ऑनलाइन हो रही है वहीं साइबर अपराधियों ने भी लोगों को उगने के नए तरीके खोज लिए हैं। अब जनगणना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रक्रिया को भी साइबर उग अपने हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। गुजरात सहित देश के कई राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं,जिनमें लोगों को जनगणना अधिकारी बनकर फोन किए गए और मोबाइल लिंक भेजकर बैंक खाते खाली कर दिए गए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पुलिस को विशेष एडवाइजरी जारी करनी पड़ी। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं बल्कि लोगों की निजी जानकारी और डिजिटल सुरक्षा पर सीधा हमला है। भारत तेजी से डिजिटल व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। सरकारी योजनाएं बैंकिंग सेवाएं स्वास्थ्य सुविधाएं और पहचान से जुड़ी लगभग हर प्रक्रिया अब मोबाइल और इंटरनेट पर आधारित हो चुकी है। ऐसे में आम नागरिकों के मोबाइल फोन में उनकी निजी जिंदगी का बड़ा हिस्सा सुरक्षित रहता है। बैंक खाते यूपीआई एप पासवर्ड फोटो दस्तावेज और पहचान संबंधी जानकारी सब कुछ मोबाइल में मौजूद रहता है। साइबर अपराधी इसी कमजोरी का फायदा उठाकर लोगों को जाल में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के दिनों में साइबर उग जनगणना अधिकारी बनकर लोगों को कॉल कर रहे हैं। वे खुद को सरकारी कर्मचारी बताकर नागरिकों से कहते हैं कि जनगणना प्रक्रिया पूरी करने के लिए कुछ जानकारी अपडेट करनी होगी। इसके बाद लोगों के मोबाइल पर एक लिंक भेजी जाती है। कई बार यह लिंक क्लाउसएप मैसेज एसएमएस या ईमेल के जरिए आती है। लिंक पर क्लिक करते ही व्यक्ति को एक एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। सामान्य व्यक्ति को यह समझ नहीं आता कि यह फाइल कितनी खतरनाक हो सकती है। एपीके फॉइंडाइड पैकेज किए एक ऐसा फॉर्मेट होता है जिसके जरिए मोबाइल में एप इंस्टॉल किया जाता है। साइबर अपराधी नकली एपीके फाइल बनाकर उसमें वायरस या स्पाइवेयर छिपा देते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति उसे डाउनलोड करता है वैसे ही मोबाइल की सुरक्षा कमजोर पड़ जाती है। कई मामलों में मोबाइल की स्क्रीन तक साइबर अपराधियों के नियंत्रण में चली जाती है। इसके बाद वे बैंकिंग एप और यूपीआई तक पहुंच बना लेते हैं और कुछ ही मिनटों में खाते से पैसे निकाल लेते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई लोग सरकारी प्रक्रिया समझकर आसानी से भरोसा कर लेते हैं। उग सरकारी भाषा और अधिकारिक अंदाज में बात करते हैं जिससे व्यक्ति को सहानी होता। कई बार वे आधार कार्ड पेन कार्ड बैंक कार्ड और ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी मांगते हैं। कुछ लोग डर या जल्दबाजी में यह जानकारी साझा कर देते हैं और बाद में उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है। गुजरात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि केंद्र या राज्य सरकार कभी भी फोन पर ओटीपी पासवर्ड बैंक डिटेल या गोपनीय जानकारी नहीं मांगती। जनगणना प्रक्रिया के लिए किसी भी व्यक्ति को मोबाइल एप डाउनलोड करने के लिए मजबूर नहीं किया जाता। यदि कोई व्यक्ति ऐसा कर रहा है तो वह निश्चित रूप से संदिग्ध है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने की अपील की है। साइबर अपराध केवल बैंक खाते तक सीमित नहीं है। मोबाइल बैंक होने के बाद अपराधी सोशल मीडिया अकाउंट ईमेल और निजी फोटो तक पहुंच बना सकते हैं। कई बार लोगों की निजी तस्वीरों का दुरुपयोग कर ब्लैकमेलिंग भी की जाती है। कुछ मामलों में अपराधी पीडित के नाम से दोस्तों और रिश्तेदारों से पैसे मांगने लगते हैं। इस तरह एक छोटी सी गलती व्यक्ति की आर्थिक और सामाजिक दोनों सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है। डिजिटल ठगी की घटनाएं लगातार इसलिए बढ़ रही हैं क्योंकि इंटरनेट का उपयोग तेजी से बढ़ा है लेकिन डिजिटल जागरूकता उतनी तेजी से नहीं बढ़ पाई है। गांवों और छोटे शहरों में कई लोग पहली बार ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। उन्हें साइबर सुरक्षा के नियमों की पर्याप्त जानकारी नहीं होती। यही कारण है कि अपराधी आसानी से लोगों को अपना शिकार बना लेते हैं। आज जरूरत केवल तकनीक की नहीं बल्कि डिजिटल साक्षरता की भी है। लोगों को यह समझना होगा कि मोबाइल फोन अब केवल बातचीत का साधन नहीं बल्कि एक डिजिटल तिजोरी बन चुका है। जिस तरह कोई व्यक्ति अपने घर की चाबी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं देता उसी तरह मोबाइल की जानकारी और ओटीपी भी किसी को नहीं देना चाहिए। साइबर ठगी से बचने के लिए सबसे जरूरी है सतर्कता। किसी भी अनजान नंबर से आए फोन पर तुरंत भरोसा नहीं करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति खुद को सरकारी अधिकारी बताता है तो उसकी पहचान की पुष्टि करनी चाहिए। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए और केवल मूल प्ले स्टोर या अधिकृत प्लेटफॉर्म से ही एप डाउनलोड करना चाहिए। मोबाइल में मजबूत पासवर्ड और स्क्रीन लॉक रखना भी जरूरी है। समय समय पर मोबाइल और एप्स को अपडेट करते रहना चाहिए ताकि सुरक्षा संबंधी खामियां दूर हो सकें। यदि किसी व्यक्ति को जनगणना या किसी सरकारी प्रक्रिया के नाम पर संदिग्ध कॉल या मैसेज मिले तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करनी चाहिए। नजदीकी पुलिस स्टेशन या साइबर सेल से भी संपर्क किया जा सकता है। समय पर शिकायत करने से कई बार आर्थिक नुकसान को रोका जा सकता है। इसके अलावा परिवार के बुजुर्गों और बच्चों को भी डिजिटल सुरक्षा के बारे में जागरूक करना जरूरी है क्योंकि साइबर अपराधी अक्सर कम जागरूक लोगों को निशाना बनाते हैं। सरकार और पुलिस लगातार लोगों को जागरूक करने के प्रयास कर रही हैं लेकिन केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। समाज के हर व्यक्ति को डिजिटल सुरक्षा की जिम्मेदारी समझनी होगी।

कटाक्ष | स्रोत मिश्र

*गरम तवा-सी सड़क भइ, ज्वाला बने समीर
तुटित कर रहे बढन को, पुनः धड़े के नीर
पुनः धड़े के नीर,पजा वाले दिन आए
गरम थपेड़ों से हमको हर कदम बचाएँ
कह सुरेश कविराय प्रकृति है रवां-रवां सी
पक्के घर की छतें बनी हैं गरम तवा-सी*



साभार

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

जिस धरती से “वसुधैव कुटुम्बकम्” का विचार पूरी दुनिया में पहुंचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहां वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और अधिकार के लिए अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहां वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा।

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊंची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने “मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः” का उद्घोष किया, जिस धरती से “वसुधैव कुटुम्बकम्” का विचार पूरी दुनिया में पहुंचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहां वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएं नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के घटपटा का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी



कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं। आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समस्याभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकता। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है। दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्थान ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों

में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी “गलती” केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक हक रह जायें। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल नैतिक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रही है। यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुशासक दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कर्मरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण

का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकती। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए। आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में “वृद्ध सम्मान” को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे। आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मर्यादाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सकें, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा।

■ ललित गर्ग

भय, भूख, लालच और सपनों की राजनीति

भारत के 75 वर्षों की राजनीति पर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट दिखाई देता है, भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना धीरे-धीरे सत्ता केन्द्रित राजनीति में बदलती चली गई। वर्तमान राजनीति का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण से अधिक सत्ता प्राप्ति और सत्ता को बनाए रखना है। स्वतंत्रता आंदोलन से निकला नेतृत्व त्याग, संघर्ष और वैचारिक प्रतिबद्धता का प्रतीक था। संविधान निर्माताओं ने भारत की विविधता को ध्यान में रखते हुए जो संविधान तैयार किया था, उसमें अंतिम शक्ति जनता के हाथ में रहे। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन स्थापित किया गया। नागरिकों और मीडिया को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई। इसे चौथा स्तंभ भी संविधान का माना गया। ताकि कोई भी संस्था निरंकुश न हो सके। भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा, विष्णु, महेश के पास जिस तरह से प्रकृति का संचालन है, संविधान निर्माताओं ने यही व्यवस्था भारतीय संविधान में की। स्वतंत्रता के बाद के शुरुआती 25 वर्षों में संसाधनों की भारी कमी,युद्ध, अकाल और आर्थिक संकट के बावजूद, तब की सरकारों ने बड़े-बड़े विकास कार्य किये। बड़े-बड़े सार्वजनिक उपक्रम तैयार किया। बड़े-बड़े शिक्षा और औद्योगिक प्रतिष्ठान उसी अवधि में तैयार किए गए। योजना आयोग के माध्यम से केंद्र एवं राज्यों के बीच संघीय शासन व्यवस्था तथा संसाधनों का बंटवारा करने संवैधानिक संस्था बनाई गई। उस समय शासन व्यवस्था में नैतिकता दिखाई देती थी। सभी संवैधानिक संस्थाएँ जनता के प्रति जवाबदेह थीं। 1947, 1962, 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान अकाल, खाद्यान्न संकट, तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों के पास टैक्स के रूप में जब सीमित आर्थिक संसाधन थे। भारत ने सभी संवैधानिक संस्थाओं को स्वतंत्रता देते हुए उन्हें मजबूत किया। विकास की आधारशिला रखी। जब कोई व्यवस्था नहीं थी, उस दौर के नेतृत्व में वैचारिक मतभेद होने के बाद भी राष्ट्रहित सर्वोपरि था। इंदिरा गांधी के नेतृत्व में 1971 का युद्ध और बांग्लादेश का निर्माण भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण वैश्विक स्तर पर आज भी माना जाता है। 1977 के बाद भारतीय राजनीति में बड़ा परिवर्तन आया। 1971 के युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर भारत में बहुत सारे प्रतिबंध लगाए गए। जो लंबे समय तक लागू रहे। भारत को ऊर्जा संकट का सामना कई वर्षों तक करना पड़ा। खाद्यान्न संकट का भी सामना करना पड़ा। इंदिरा गांधी ने इसका मुकाबला किया। प्रतिबंधों के कारण भारत में खाद्यान्न संकट महंगाई और मुनाफाखोरी बढ़, जनता की नाराजी बढ़ी। 1975 में सारे देश में आंदोलन शुरू हो गए। छात्र, ट्रेड यूनियन, विपक्षी राजनीतिक दल सब सड़कों पर आ गए। 1975 में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जयप्रकाश नारायण ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की- सेना और पुलिस सरकार की बात नहीं माने। इस समय इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित कर दिया था। जिसके कारण राजनीतिक अस्थिरता भी बढ़ गई थी। इंदिरा गांधी ने इस स्थिति से निपटने के लिए आपातकाल की घोषणा की। भारतीय संविधान में आपातकाल का प्रावधान है।

■ सनत जैन

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट 2026: तकनीक, प्रगति और भविष्य का रोडमैप

भारत की बुलेट ट्रेन परियोजना देश के परिवहन इतिहास का सबसे बड़ा और महत्वाकांक्षी कदम है। एक मायने में यह परियोजना महज ईट, गारे, लोहे और कंक्रीट से ढांचा खड़ा करने की कहानी नहीं है। यह कहानी है नए भारत और लागत में वृद्धि जैसी तमाम चुनौतियों का सीना चीरकर जिस तरह आज वायाडक्ट्स और अंडर-सी टनल का काम अपनी अंतिम परिणति की ओर बढ़ रहा है, उसके मद्देनजर वर्तमान प्रगति को लेकर यह कहा जा सकता है कि भारत में बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है क्योंकि साल 2026 में सूरत और बिलिमोरा के बीच होने वाला ट्रायल रन इस बात का उद्घोष होगा कि भारत अब बदल चुका है। भारत में हाई-स्पीड रेल का रफ्तार से यह ट्रेन भारत की धरती पर दौड़ेगी तो वह केवल दो शहरों की दूरी को कम नहीं करेगी, बल्कि वह देश के करोड़ों युवाओं के सपनों को एक नई उड़ान और असीम गति प्रदान करेगी। बुलेट ट्रेन का आना भारत के परिवहन इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय है,जिसका असर आने वाली कई पीढ़ियां महसूस करेगी। भारत हमेशा से एक ऐसा राष्ट्र रहा है जिसने अपनी परंपराओं को संहेजते हुए आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाए हैं। बैलगाड़ी और भाप के इंजनों



से शुरू हुआ हमारा परिवहन का सफर आज वंदे भारत जैसी सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनों तक पहुंच चुका है। लेकिन,इक्कीसवीं सदी का भारत अब सिर्फ रफ्तार की दौड़ में शामिल नहीं होना चाहता, बल्कि वह दुनिया की तकनीकी संरभुता, आर्थिक सुदृढ़ता और वैश्विक साख का प्रतीक यानी भारत के भविष्य की आधारशिला है। परियोजना में जमीन अधिग्रहण की बाधाओं, कोविड महामारी के थपेड़ों और लागत में वृद्धि जैसी तमाम चुनौतियों का सीना चीरकर जिस तरह आज वायाडक्ट्स और अंडर-सी टनल का काम अपनी अंतिम परिणति की ओर बढ़ रहा है, उसके मद्देनजर वर्तमान प्रगति को लेकर यह कहा जा सकता है कि भारत में बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी निर्णायक चरण में पहुंच चुकी है क्योंकि साल 2026 में सूरत और बिलिमोरा के बीच होने वाला ट्रायल रन इस बात का उद्घोष होगा कि भारत अब बदल चुका है। भारत में हाई-स्पीड रेल का रफ्तार से यह ट्रेन भारत की धरती पर दौड़ेगी तो वह केवल दो शहरों की दूरी को कम नहीं करेगी, बल्कि वह देश के करोड़ों युवाओं के सपनों को एक नई उड़ान और असीम गति प्रदान करेगी। बुलेट ट्रेन का आना भारत के परिवहन इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम अध्याय है,जिसका असर आने वाली कई पीढ़ियां महसूस करेगी। भारत हमेशा से एक ऐसा राष्ट्र रहा है जिसने अपनी परंपराओं को संहेजते हुए आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाए हैं। बैलगाड़ी और भाप के इंजनों

और उन्नत तकनीक का हस्तोत्तरण कर रहा है, बल्कि बेहद मामूली ब्याज दर पर इस परियोजना के लिए एक बड़ा विरोीय लोन भी उपलब्ध करा रहा है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की कुल लंबाई 508 किलोमीटर है। यह कॉरिडोर भारत के दो सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक राज्यों गुजरात और महाराष्ट्र के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजरेगा। इस ट्रैक पर बुलेट ट्रेन की अधिकतम परिचालन गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। वर्तमान में मुंबई से अहमदाबाद के बीच पारंपरिक ट्रेनों या सड़क मार्ग से यात्रा करने में 6 से 7 घंटे का समय लगता है। बुलेट ट्रेन के पूरी तरह शुरू होने के बाद यह सफर सिम्टरकर महज दो से ढाई घंटे का रह जाएगा। यह समय की वह बचत है जो कॉर्पोरेट जागत, व्यापारियों और आम यात्रियों की उत्पादकता को कई गुना बढ़ा देगी। इस पूरे मार्ग में कुल 12 स्टेशन बनाए जा रहे हैं। ये स्टेशन किसी आधुनिक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की तर्ज पर विकसित किए जा रहे हैं, जहां यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। इन स्टेशनों में मुंबई (बॉम्बे-कुर्ला

कॉम्प्लेक्स) इस रूप का एकमात्र पूरी तरह से भूमिगत स्टेशन होगा। जबकि अन्य स्टेशनों में ठाणे, विरार, बोइसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरुच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती शामिल हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार अब तक 434 किलोमीटर तक पिलर (खंभों) का निर्माण पूरा हो चुका है। पटरी बिछाने के लिए 343 किलोमीटर से अधिक का वायाडक्ट बनकर तैयार है। गुजरात के सूरत, आनंद और अहमदाबाद जैसे स्टेशनों के विशालकाय ढांचे अब दूर से ही दिखाई देने लगे हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि सूरत-बिलिमोरा के बीच 2026 के ट्रायल के बाद, वर्ष 2029 से 2030 तक यह पूरा 508 किलोमीटर का कॉरिडोर पूर्ण रूप से चालू होकर देश को समर्पित कर दिया जाएगा। यह परियोजना केवल पटरी बिछाने और ट्रेन लौड़ाने का काम नहीं है, बल्कि यह भारत के सिविल इंजीनियरिंग इतिहास की सबसे कठिन और विस्मयकारी परीक्षाओं में से एक है। इस परियोजना का सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक हिस्सा महाराष्ट्र के घनसेली और शिलफाटा के बीच बनने वाली 21 किलोमीटर लंबी सुरंग है। इस सुरंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसका 7 किलोमीटर का हिस्सा ठाणे क्रीक के नीचे, यानी समुद्र के तलहटी के नीचे से गुजरेगा। भारत के इतिहास में यह पहली बार हो रहा है जब कोई हाई-स्पीड रेल समुद्र के नीचे से गुजरेगी। इस सुरंग को खोदने के लिए दुनिया की सबसे विशालकाय टनल बोरिंग मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे 16 किलोमीटर का हिस्सा तैयार होगा।

■ ओ.पी. पाल

बेटियां बोझ नहीं, बल्कि सम्मान और गर्व का प्रतीक

भारत में दहेज प्रथा केवल एक सामाजिक बुराई नहीं बल्कि हजारों बेटियों की जिंदगी निगलने वाला यह दानव बन चुकी है जो आधुनिक शिक्षा, कानून और जागरूकता के बावजूद आज भी समाज की मानसिकता पर हावी है। हर वर्ष दहेज उल्टीडन, आपत्तहत्या और हत्या के हजारों मामले सामने आते हैं, लेकिन कुछ दिनों की चर्चा के बाद सब कुछ फिर सामान्य हो जाता है। हाल ही में चर्चित दिशा कांड को सीबीआई जांच के लिए सौंपा जाता इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है कि समाज और व्यवस्था दोनों अभी भी इस अपराध को रोक पाने में पूरी तरह सफल नहीं हुए हैं। समय आ गया है कि समाज यह समझे कि बेटियां बोझ नहीं, बल्कि सम्मान और गर्व का प्रतीक हैं। जिस दिन दहेज को सामाजिक प्रतिष्ठा नहीं बल्कि शर्म का विषय माना जाने लगेगा, उसी दिन एक आदर्श समाज की शुरुआत होगी। दहेज की समस्या की जड़ केवल लालच नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा



की विकृत सोच है। विवाह को आज भी कई परिवार सौंदर्य की तरह देखते हैं, जहां लड़के की नौकरी, वेतन और हैसियत को आधार पर कीमत तय होती है। दुखद यह है कि शिक्षित और संपन्न वर्ग भी इस मानसिकता से मुक्त नहीं हो पाया है। माता-पिता अपनी बेटियों की शादी के लिए जीवनभर की जमा पूंजी खर्च कर देते हैं, फिर भी उल्टीडन समाप्त नहीं होता। दिशा कांड जैसे मामले इसलिये अधिक भयावह बन जाते हैं क्योंकि वे समाज के उस चेहरे को सामने लाते हैं, जहां कानून का डर कमजोर और लालच की भूख मजबूत दिखाई देती है। जब

किसी बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होती है और परिवार न्याय के लिए दर-दर भटकता है, तब लोगों का भरोसा व्यवस्था से उठने लगता है। ऐसे मामलों की ट्वंकटवू जांच इसलिये जरूरी मानी जाती है क्योंकि आम जनता निष्पक्ष और पारदर्शी जांच चाहती है। हालांकि केवल जांच एजेंसी बदल देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। आवश्यकता है कि दहेज विरोधी कानूनों को और प्रभावी बनाया जाए तथा उनकी निष्पक्षता भी सुनिश्चित हो। तेज सुनवाई के लिए विशेष अदालतें बननी चाहिए ताकि पीड़ित परिवारों को वर्षों तक न्याय का

इंतजार न करना पड़े। साथ ही झूठे मामलों को भी रोकना आवश्यक है, ताकि कानून की विश्वसनीयता बनी रहे। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव समाज की सोच में आना चाहिए। बेटियों को बोझ और बेटों को “कामा का साधन” समझने वाली मानसिकता जब तक समाप्त नहीं होगी, तब तक दहेज का दानव जीवित रहेगा। विवाह को दिखावे और प्रतिसर्पा का माध्यम बनाने की बजाय सादगी और समानता का संस्कार विकसित करना होगा। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को दहेज विरोधी अभियान लगातार चलाने चाहिए। आज जरूरत केवल कानून की नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति की है। हर परिवार को यह संकल्प लेना होगा कि न दहेज दोगे और न लेंगे। जब समाज स्वयं दहेज मांगने वालों का बहिष्कार करेगा, तभी इस दानव का अंत संभव होगा। अन्यथा दिशा जैसे कांड बार-बार देश को झकझोते रहेंगे और बेटियों की चीखें व्यवस्था की फाइलों में दबती रहेंगी। क्या आदर्श समाज दहेज को ना बोलेगा?

■ सौरभ वाघाणी

व्यापार तेजी से आगे बढ़े, घर में सुख-समृद्धि पाने के वास्तु उपाय

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी नौकरी में सफलता मिले, व्यापार तेजी से आगे बढ़े और घर में सुख-समृद्धि बनी रहे। कई बार मेहनत और प्रयास करने के बावजूद मनचाही

सफलता नहीं मिल पाती। वास्तु शास्त्र के अनुसार इसके पीछे घर या कार्यस्थल में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा और वास्तु दोष भी एक कारण हो सकते हैं। मान्यता है कि यदि आसपास का वातावरण सकारात्मक हो तो

व्यक्ति का आत्मविश्वास बढ़ता है और कामों में आने वाली बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं। ऐसे में कुछ आसान वास्तु उपाय अपनाकर नौकरी और व्यापार में उन्नति के रास्ते खोले जा सकते हैं।



उत्तर दिशा को हमेशा रखें साफ-सुथरा

वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा को धन और करियर की दिशा माना गया है। यह दिशा भगवान कुबेर से संबंधित मानी जाती है। इसलिए घर या ऑफिस की उत्तर दिशा में गंदगी, भारी सामान या कबाड़ नहीं रखना चाहिए। मान्यता है कि इस दिशा को साफ और व्यवस्थित रखने से

आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और तरक्की के अवसर बढ़ने लगते हैं। सही दिशा में बैठकर करें काम वास्तु अनुसार नौकरी या व्यापार करने वाले लोगों को काम करते समय पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है और निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होती

भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की पूजा करें

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश विघ्नों को दूर करते हैं और मां लक्ष्मी सुख-समृद्धि प्रदान करती हैं। ऐसे में कार्यस्थल पर उनकी पूजा करना शुभ माना जाता है। नियमित रूप से दीपक और कपूर जलाने से वातावरण सकारात्मक बना रहता है और मन में नई ऊर्जा का संचार होता है।

है। वहीं, पीठ के पीछे मजबूत दीवार होना आत्मविश्वास और स्थिरता का प्रतीक माना जाता है।

मुख्य द्वार रखें आकर्षक
घर, दुकान या ऑफिस का मुख्य द्वार सकारात्मक ऊर्जा के प्रवेश का स्थान माना जाता है। इसलिए यहां साफ-सफाई और रोशनी का विशेष ध्यान रखना चाहिए। वास्तु अनुसार मुख्य द्वार पर स्वास्तिक, शुभ-लाभ या भगवान गणेश की तस्वीर लगाना शुभ माना गया है। इससे वातावरण में सकारात्मकता बनी रहती है।

तिजोरी की दिशा का रखें ध्यान
वास्तु शास्त्र के अनुसार तिजोरी या

धन रखने वाली अलमारी को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही तिजोरी का दरवाजा उत्तर दिशा की ओर खुलना चाहिए। मान्यता है कि इससे धन में स्थिरता बनी रहती है और आर्थिक परेशानियां कम होने लगती हैं।

टूटे सामान तुरंत हटाएं
घर या कार्यस्थल में टूटे इलेक्ट्रॉनिक सामान, बंद घड़ियां या बेकार वस्तुएं नकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने वाली मानी जाती हैं। वास्तु के अनुसार ऐसी चीजें व्यक्ति की प्रगति में बाधा पैदा कर सकती हैं। इसलिए समय-समय पर अनावश्यक वस्तुओं को हटाने रहना चाहिए।

पूजा के समय भूलकर भी न करें ये गलतियां

हिंंदू धर्म में पूजा पाठ के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं, जिनका पालन करना जरूरी होता है। कुछ देवी और देवताओं को कुछ फूल नहीं चढ़ाते हैं, तो किसी को तुलसी का पत्ता प्रिय है तो किसी की पूजा में तुलसी वर्जित है। यदि देवी और देवताओं को वर्जित पदार्थ अर्पित करते हैं तो वे नाराज हो सकते हैं या नियम विरुद्ध पूजा करने से उसका पूर्ण फल आपको प्राप्त नहीं होगा या वह पूजा निष्फल हो सकती है। आइए जानते हैं कि पूजा के समय में क्या नहीं करना चाहिए।



पूजा के समय आपको ध्यान रखना चाहिए कि देवी और देवताओं की मूर्तियां खंडित न हों। खंडित मूर्तियों की पूजा करना या रखने से दोष लगता है। गणेश जी और भगवान शिव को पूजा में तुलसी के पत्ते अर्पित न करें। महादेव को केतकी का फूल नहीं चढ़ाना चाहिए। जब आप पूजा करें तो देवी और देवता को ताजे फूल अर्पित करें। पूजा में बारी या मुरझाए फूल का उपयोग न करें। बारी या मुरझाए फूल वर्जित हैं। ऐसे ही ताजा जल भगवान को अर्पित करना चाहिए। पूजा करते समय आपका मुख उत्तर, पूर्व या ईशान कोण में होना चाहिए। दक्षिण दिशा में मुख करके पूजा नहीं करते हैं क्योंकि दक्षिण की दिशा पितरों की होता है। पूजा के समय जब आरती प्रारंभ हो जाए तो उसे बीच में छोड़कर नहीं जाना चाहिए। जब आरती पूरी हो जाए तभी वहां से जाएं, नहीं तो दोष लगता है। पूजा में कोई भी दीपक या आरती का दीपक किसी दूसरे हुए जलते दीपक से नहीं जलाना चाहिए। ऐसा करने से धन हानि और सेहत पर

नकारात्मक प्रभाव हो सकता है। दीपक को माचिस से जलाएं। पूजा के समय आप जब दीपक जलाएं तो इस बात का ध्यान रखें कि वह बीच में न बुझे। दीपक का बुझना अशुभ होता है। इसलिए पूजा के समय हवा का ध्यान रखें। जब भी पूजा करें तो कुश या कंबल के बने आसन पर बैठकर करें। सीधे जमीन पर बैठकर पूजा करने की मनाही है। पूजा संपन्न होने के बाद आसन को हटा देना चाहिए। पूजा के समय गुस्सा नहीं करना चाहिए और न ही किसी को अपशब्द बोलना चाहिए। पूजा के लिए मन का शांत और पवित्र होना जरूरी है। झूठ, निंदा, घृणा आदि से पूजा का शुभ फल नष्ट होता है। पूजा के लिए साफ कपड़े पहनें। अशुद्ध वस्त्रों का त्याग कर देना चाहिए। पूजा में चमड़े से बनी वस्तुओं का उपयोग नहीं करना चाहिए। जुता, चप्पल आदि को पूजा स्थान से दूर रखना चाहिए। दोपहर के समय में पूजा नहीं करते हैं, यह समय देवी और देवताओं के विश्राम के लिए होता है। साथ ही पूजा में राहुकाल का ध्यान रखते हैं।

परफेक्ट विंग आइलाइनर लगाने के लिए टेप का इस्तेमाल करें

मेकअप की दुनिया में विंग आइलाइनर का ट्रेंड कभी पुराना नहीं होता। चाहे पार्टी लुक हो, ऑफिस मेकअप या फिर कैजुअल स्टाइल, एक परफेक्ट विंग आइलाइनर आंखों की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देता है। हालांकि, ज्यादातर लड़कियों की सबसे बड़ी परेशानी यही होती है कि विंग आइलाइनर दोनों आंखों में एक जैसा नहीं बन पाता। कई बार लाइन टेढ़ी हो जाती है, तो कभी विंग का शेप बिगड़ जाता है। अगर आप भी विंग आइलाइनर लगाने में घंटों लगा देती हैं

या हर बार उसे हटाकर दोबारा बनाना पड़ता है, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान ट्रिक्स और सही तकनीक अपनाकर आप घर पर ही प्रोफेशनल जैसी शार्प और क्लीन विंग बना सकती हैं। परफेक्ट विंग आइलाइनर लगाना मुश्किल जरूर लग सकता है, लेकिन सही तकनीक और थोड़ी प्रैक्टिस से इसे आसानी से सीखा जा सकता है। अगर आप इन आसान ट्रिक्स को अपनाएं, तो हर बार शार्प और प्रोफेशनल कैट-आई लुक पा सकेंगी।



मेकअप एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सही आइलाइनर चुनना, हाथ को स्थिर रखना और छोटे-छोटे स्ट्रोक्स का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी होता है।

खास बात यह है कि बिगिनर्स भी इन आसान थ्यूटी हेक्स की मदद से पहली बार में ही शानदार कैट-आई लुक पा सकती हैं। आइए जानते हैं विंग आइलाइनर लगाने की कुछ ऐसी आसान ट्रिक्स, जो आपके मेकअप गेम को पूरी तरह बदल सकती हैं।

टेप का इस्तेमाल करें
अगर आपका विंग आइलाइनर हर

बार टेढ़ा हो जाता है, तो टेप का इस्तेमाल करें। आंखों के कोने से भौंहों की तरफ हल्का टेप लगाएं और उसी दिशा में आइलाइनर बनाएं। इससे विंग एकदम शार्प और बराबर बनेगा।

पहले हल्की आउटलाइन बनाएं

सीधे मोटा आइलाइनर लगाने के बजाय पहले पतली लाइन से आउटलाइन तैयार करें। इससे गलती होने की संभावना कम रहती है और आप आसानी से शेप को सही कर सकती हैं। एक बार में पूरी लाइन खींचने की कोशिश न



सही आइलाइनर चुनना भी जरूरी
अगर आप पहली बार विंग आइलाइनर लगा रही हैं, तो पेन या जेल आइलाइनर का इस्तेमाल करें। लिक्विड आइलाइनर की तुलना में इन्हें कंट्रोल करना आसान होता है और इससे स्मूथ फिनिश मिलती है।

कॉटन बड रखें साथ

आइलाइनर लगाने समय छोटी-मोटी गलतियां होना सामान्य है। ऐसे में कॉटन बड और मेकअप रिमूवर साथ रखें। इससे खराब हुई लाइन को तुरंत ठीक किया जा सकता है और मेकअप खराब नहीं होता।

गर्मी से बचाव के जरूरी उपाय अपनाने की सलाह

देश के कई राज्यों में इस समय तेज गर्मी और लू का असर देखने को मिल रहा है। कई जगहों पर तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, जिससे बच्चों की सेहत पर सबसे ज्यादा खतरा बढ़ जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, छोटे बच्चों का शरीर गर्मी को जल्दी महसूस करता है, उनमें डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक का जोखिम ज्यादा रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी WHO ने माता-पिता को बच्चों की देखभाल को लेकर साफ रव्हने की सलाह दी है।



बच्चों का शरीर बड़े लोगों की तुलना में तापमान को नियंत्रित करने में कमजोर होता है। तेज धूप और गर्म हवाओं के संपर्क में आने पर उनके शरीर का तापमान तेजी से बढ़ सकता है। अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो बच्चा हीट एक्जॉशन या हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर स्थिति का शिकार हो सकता है। खासकर जो बच्चे बाहर खेलते हैं या पर्याप्त पानी नहीं पीते, उनमें यह खतरा और ज्यादा बढ़ जाता है। लू लगने पर दिख सकते हैं ये संकेत स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अगर बच्चे को लू लगती है तो शरीर कुछ संकेत देने लगता है। बच्चे का शरीर बहुत ज्यादा गर्म हो सकता है और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर पहुंच सकता है। इसके

अलावा तेज सिरदर्द, बहुत ज्यादा पसीना आना, मांसपेशियों में दर्द या ऐंठन, तेज दिल की धड़कन और सांस लेने में परेशानी जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। कई बच्चों में कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी जैसा महसूस होना और चिड़चिड़ापन भी देखा जा सकता है। गंभीर स्थिति में बच्चा बेहोश भी हो सकता है। बच्चे को लू लगे तो तुरंत क्या करें? WHO के अनुसार, अगर बच्चे में गर्मी से जुड़ी परेशानी के लक्षण दिखें तो सबसे पहले उसे धूप से हटाकर ठंडी या छायादार जगह पर ले जाएं। अगर बच्चा होश में है तो उसे धीरे-धीरे पानी, ओआरएस या नींबू पानी पिलाएं ताकि

शरीर में पानी की कमी पूरी हो सके। बच्चे को आराम से लिटाकर उसके पैरों को थोड़ा ऊपर रखें। इसके बाद ठंडे पानी से शरीर को स्पंज करना भी फायदेमंद माना जाता है। अगर बच्चा उल्टी कर रहा हो तो उसे करवट के बल लिटाएं ताकि सांस लेने में दिक्कत न हो। इन गलतियों से बचने की सलाह विशेषज्ञों का कहना है कि अगर बच्चा बेहोश हो जाए तो उसे जबरदस्ती पानी या खाना देने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। बच्चे को तेज धूप में छोड़ना या भारी कपड़े पहनना भी खतरनाक हो सकता है। गर्मियों में बच्चों को हल्के, ढीले और सूती कपड़े पहनाने की सलाह दी जाती है ताकि शरीर को ठंडक मिलती रहे। बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए अपनाएं ये उपाय हेल्थ एक्सपर्ट्स माता-पिता को सलाह देते हैं कि दोपहर के समय बच्चों को बाहर खेलने के लिए न भेजें। घर से बाहर निकलते समय बच्चों के

साथ पानी की बोतल, टोपी और छाता जरूर रखें। समय-समय पर उन्हें पानी, नारियल पानी या अन्य तरल चीजें देते रहें ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे। डॉक्टरों का कहना है कि थोड़ी सी सावधानी और समय पर ध्यान देकर बच्चों को गर्मी से होने वाली गंभीर समस्याओं से बचाया जा सकता है। अगर बच्चे की हालत ज्यादा खराब लगे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

यह ट्रिंक न सिर्फ शरीर को ठंडक देता है बल्कि लू से बचाने में भी मदद करता है। सबसे अच्छी बात ये है कि इसे घर पर बहुत आसानी से बनाया जा सकता है और कुछ दिन तक स्टोर भी किया जा सकता है, अगर आप भी इस गर्मी में बाहर की बोतल वाली ट्रिंक को छोड़कर कुछ हेली और देसी द्राय करना चाहते हैं, तो यह आम पन्ना रेसिपी आपके लिए

गर्मी का मौसम आते ही सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि खुद को ठंडा और एनर्जेटिक कैसे रखा जाए। बाहर की तेज धूप, गर्म हवाएं और शरीर में पानी की कमी कई बार थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ा देती हैं। ऐसे में हर किसी को एक ऐसे देसी ट्रिंक की तलाश होती है जो स्वादिए भी हो और शरीर को राहत भी दे। यही जगह बनाता है आम पन्ना - एक ऐसा ट्रेंडिशनल ट्रिंक जो पौधियों से गर्मियों का हिस्सा रहता है। दादी-नानी के हाथों का बना आम पन्ना सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि सेहत का भी खजाना है। कच्चे आम की खटास, गुड़ की मिठास और मसालों का जबरदस्त कॉम्बिनेशन इसे खास बनाता है।

घर पर बनाएं खट्टा-मीठा आम पन्ना



1. सही कच्चे आम का चुनाव करें :- सबसे पहले आधा किलो कच्चे आम लें। ध्यान रखें कि आम अच्छे खट्टे हों, तभी स्वाद बढ़िया आएगा। इन्हें अच्छी तरह धो लें और डंठल वाला हिस्सा साफ कर लें।
2. आम को उबालें :- अब कुकर में आम डालें और करीब 1-1.5 गिलास पानी डालकर 4-5 सीटी आने तक पकाएं। इससे आम पूरी तरह नरम हो जाएंगे और पल्प निकालना आसान होगा।
3. पल्प तैयार करें :- उबले आम को थोड़ा ठंडा करें और फिर उसका छिलका हटाकर पूरा पल्प निकाल लें। गुठली से भी जितना हो सके पल्प निकालें।
4. मिक्सचर बनाएं :- अब इस पल्प को मिक्सर में डालें। इसमें एक कप गुड़, थोड़ा पुदीना, अदरक और 1-2 हरी मिर्च डालें। बिना पानी के इसे ग्राइंड करें ताकि क्रीमी पेस्ट तैयार हो जाए।

5. स्टोर करने का तरीका :- तैयार पेस्ट को एक एयरटाइट डिब्बे में भरकर फ्रिज में रखें। इसे आप 1 हफ्ते तक आराम से इस्तेमाल कर सकते हैं।
आम पन्ना सर्व करने का तरीका :- जब भी पीना हो, 2-3 चम्मच पेस्ट लें और उसमें ठंडा पानी या सोडा मिलाएं। इसके बाद इसमें भुना जीरा पाउडर, काला नमक, काली मिर्च और थोड़ा सा साधारण नमक डालें। अच्छे से मिक्स करें और ऊपर से पुदीना डालकर सर्व करें, अगर आप चाहें तो गिलास के किनारों पर नमक और लाल मिर्च लगाकर इसे और भी आकर्षक बना सकते हैं। ऊपर से आइस डालें और ठंडा-ठंडा सर्व करें।
आम पन्ना पीने के फायदे :- शरीर को तुरंत ठंडक देता है। लू से बचाव में मदद करता है। पाचन को बेहतर बनाता है। शरीर में एनर्जी बनाए रखता है। डिहाइड्रेशन से बचाता है।

आज का राशिफल

मेघ राशि - आपकी राशि के छठे भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। प्रथम भाव में स्वराशि के मंगल आपको साहस प्रदान करेंगे, जिससे करियर में अटकें हुए कार्यों को गति मिलेगी। बिजनेस में नई शुरुआत और पार्टनरशिप लाभदायक रहेगी। आर्थिक लाभ के योग हैं, जिससे निवेश की योजना सफल होगी। लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बना रहेगा। कल आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, जिससे आप मानसिक शांति और शारीरिक ऊर्जा का अनुभव करेंगे।

वृषभ राशि - मेहनत और अनुशासन के माध्यम से विजय प्राप्ति का है, क्योंकि आपकी राशि के पंचम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। आपकी राशि में सूर्य और बुध की उपस्थिति करियर में आपकी प्रतिष्ठा और प्रभाव को बढ़ाएगी। कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है, लेकिन आपकी मेहनत आपको सफलता दिलाएगी। बिजनेस में शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे और आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन राशि - आपके लिए रचनात्मकता और संतान सुख में वृद्धि का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के चतुर्थ भाव में चंद्रमा विराजमान है। आपकी राशि में गुरु और शुक्र की युति करियर में तरक्की के नए द्वार खोलेगी और आपकी प्रतिभा को पहचान मिलेगी। बिजनेस में नवाचार से लाभ होगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलेगी और रिश्तों में आकर्षण बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए शिक्षा और प्रतियोगिता में सफलता के प्रबल योग हैं।

कर्क राशि - आपके लिए सुख-सुविधाओं और पारिवारिक मजबूती का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के तृतीय भाव में चंद्रमा संवरण कर रहे हैं। करियर के क्षेत्र में स्थिरता आएगी और कार्यस्थल पर सुखद माहौल रहेगा। बिजनेस में जमीन-जायदाद या वाहन से संबंधित कार्यों में बड़े लाभ के योग हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, जिससे आप निवेश की योजना बना सकते हैं। लव लाइफ में पार्टनर के साथ भावनात्मक गहराई बढ़ेगी। कल आप स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे और योग-ध्यान को अपनाएं।

सिंह राशि - आपके लिए आत्मविश्वास और व्यक्तिगत प्रभाव में वृद्धि का होगा, क्योंकि आपकी राशि के द्वितीय भाव में चंद्रमा और केतु विराजमान हैं। करियर में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी और कार्यस्थल पर नई चुनौतियों को आप अवसरों में बदल देंगे। बिजनेस में नई शुरुआत के बेहतर अवसर मिलेंगे और आर्थिक लाभ संतोषजनक रहेगा।

कन्या राशि - आपके लिए धन संरक्षण और वाणी के प्रभाव का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के प्रथम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में आपकी तार्किक क्षमता और व्यवहार आपको बड़ी सफलता दिलाएंगे। व्यापार में धन लाभ के प्रबल अवसर हैं, जिससे आपकी आय में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। निवेश के लिए समय बहुत लाभकारी है। लव लाइफ में मधुर संवाद संबंधों को और गहरा करेगा। दायित्व जीवन में सुखद स्थिरता आपकी।

तुला राशि - आपके लिए नई ऊर्जा और मानसिक स्पष्टता का होगा, क्योंकि आपकी राशि के द्वादश भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। चंद्रमा का आपकी राशि में होना व्यक्तित्व में आकर्षण पैदा करेगा। करियर में आपकी एकग्रता और मेहनत आपको बड़ी सफलता दिलाएगी। बिजनेस में विस्तार के अवसर मिलेंगे और आर्थिक लाभ संतोषजनक रहेगा।

वृश्चिक राशि - आपके लिए सावधानी और बजट प्रबंधन का है, क्योंकि आपकी राशि के एकादश भाव में चंद्रमा स्थित है। करियर के सिलसिले में अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है, जो थोड़ी थकान भरी होगी। बिजनेस में जोखिम भरे निवेश और अनावश्यक खर्चों से बचे, आर्थिक हानि हो सकती है। कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा के कारण मानसिक तनाव संभव है। लव लाइफ में पार्टनर के साथ गलतफहमी उत्पन्न हो सकती है, इसलिए धैर्य से काम लें।

धनु राशि - आपके लिए लाभ और उपलब्धियों की सौगात लेकर आएगा, क्योंकि आपकी राशि के दशम भाव में चंद्रमा विराजमान है। करियर में तरक्की के प्रबल संकेत हैं और आपकी मेहनत का फल प्रमोशन के रूप में मिल सकता है। बिजनेस में नए अनुबंध होंगे जो भविष्य में बड़े लाभ दिलाएंगे। पुराने निवेशों से आर्थिक लाभ होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी और आप पार्टनर के साथ भविष्य की सुखद योजनाएं बनाएंगे।

मकर राशि - आपके लिए करियर की ऊंचाइयों और कार्यस्थल पर वर्चस्व का होगा, क्योंकि आपकी राशि के नवम भाव में चंद्रमा संवरण कर रहे हैं। नौकरी में आपके काम की गुणवत्ता आपको पदोन्नति और सम्मान दिला सकती है। बिजनेस में स्थिरता आएगी और व्यापार विस्तार के नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए मार्ग खुलेंगे।

कुंभ राशि - आपके लिए भाग्य की चमक और लंबी यात्राओं का रहेगा, क्योंकि आपकी राशि के अष्टम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। करियर में भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे नई शुरुआत और सफलता के अवसर मिलेंगे। बिजनेस में किया गया निवेश सफल रहेगा और आर्थिक लाभ सुनिश्चित होगा। प्रेम संबंधों में गहराई आएगी और पार्टनर के साथ किसी धार्मिक या लंबी यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन राशि - आपके लिए थोड़ा संभलकर चलने और धैर्य बनाए रखने का है, क्योंकि आपकी राशि के सप्तम भाव में चंद्रमा गोचर कर रहे हैं। शनि आपकी राशि में होने से जिम्मेदारी बढ़ाएंगे। करियर में अचानक आई चुनौतियां आपकी मानसिक तनाव दे सकती हैं। बिजनेस में अचानक के लेनदेन से बचे। रिश्तों में पारदर्शिता बनाए रखें, पार्टनर के साथ विवाद की स्थिति बन सकती है।

किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध आध्यात्मिक सलाहकार प्रतिभा ए. शर्मा ने अपने "माधवा परिवार" के सदस्यों ममता बंसल, विजय जी, अजय जी, शुभांगी, पूजा, प्रियंका, वेद, राजकुमार, खुशी, जयेश, सोमेश और अक्षत के साथ मिलकर चैनल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध गायक जसविन्दर सिंह उपस्थित रहे। साथ ही निर्देशक जयदेव चक्रवर्ती, प्रिंसिपल दीपा चक्रवर्ती, अभिनेत्री पिकी चिन्नी, अभिनेता वंशित,



सकारात्मक ऊर्जा और आत्मिक संतुलन प्रदान कर सकती है। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने चैनल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा को डिजिटल माध्यम से युवाओं तक पहुंचाने का यह प्रयास अत्यंत प्रेरणादायक है। कार्यक्रम का समापन भजन, मंत्रोच्चार और सभी अतिथियों के आशीर्वाचन के साथ हुआ।

मेकर्स को 'रामायण' से कमाई के रिकार्ड टूटने की उम्मीद

अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को फिल्ममेकर निमिेश तिवारी और निर्माता नमित मल्होत्रा भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल करने की तैयारी में जुटे हैं। इस मेगाबजट पौराणिक फिल्म को लेकर फिल्म इंडस्ट्री और ट्रेड मार्केट में अभी से जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। रणवीर कपूर अभिनीत यह फिल्म रिलीज से पहले ही कमाई के कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकती है।



रिपोर्टर्स के अनुसार, दो भागों में बनाई जा रही इस फिल्म के थिएट्रिकल और डिजिटल राइट्स को लेकर बड़े स्तर पर बातचीत चल रही है। बताया जा रहा है कि निर्माता नमित मल्होत्रा हिंदी थिएट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स के लिए इंडस्ट्री के कई बड़े डिस्ट्रीब्यूटर्स से चर्चा कर रहे हैं। फिल्म के हिंदी थिएट्रिकल राइट्स के लिए करीब 450 करोड़ रुपये की मांग की गई है, जिसने ट्रेड जगत में हलचल मचा दी है। ट्रेड विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सौदा 300 से 400 करोड़ रुपये के बीच भी तय होता है, तो यह भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे बड़ी डिस्ट्रीब्यूशन डील साबित हो सकती है। फिलहाल हिंदी सिनेमा में सबसे बड़ी थिएट्रिकल डील का रिकॉर्ड शाहरुख खान की फिल्म 'किताब' के नाम बताया जा रहा है, जिसके ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स लगभग 250 करोड़ रुपये में विक्राने की चर्चा है। ऐसे में 'रामायण' के लिए मांगी जा रही कीमत को बेहद बड़ी और ऐतिहासिक माना जा रहा है। सिर्फ सिनेमाघरों तक ही नहीं, बल्कि डिजिटल और सैटेलाइट राइट्स को लेकर भी मेकर्स की बड़ी योजना है। खबरों के मुताबिक, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने फिल्म के दोनों भागों के संयुक्त स्ट्रीमिंग राइट्स के लिए करीब 700 करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया था, लेकिन निर्माताओं ने इस ऑफर को स्वीकार नहीं किया। कहा जा रहा है कि मेकर्स डिजिटल राइट्स के लिए करीब 1000 करोड़ रुपये की डील की उम्मीद कर रहे हैं।

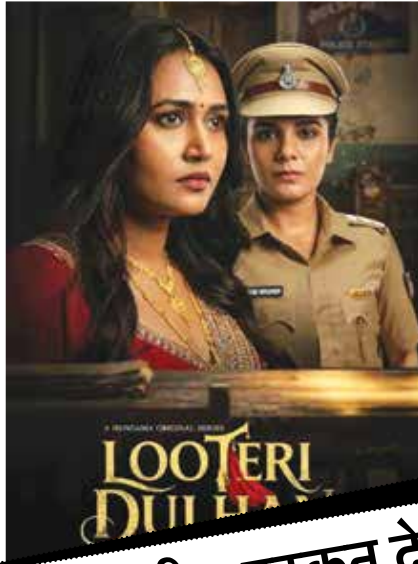
अक्षय कुमार ने भी मोहनलाल की फिल्मों से छापे करोड़ों

साउथ की फिल्मों का बॉलीवुड में रीमेक बनाने का चलन काफी पुराना है। लेकिन इन दिनों रीमेक का ट्रेंड कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। बॉलीवुड में कई सुपरहिट साउथ फिल्मों के रीमेक बने हैं, जिन्हें बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सक्सेस मिली। इन फिल्मों में 'कबीर सिंह', 'गजनी', 'सिंघम', 'वांटेड' और 'सावरिया' जैसी फिल्में शामिल हैं। लेकिन जब भी साउथ की फिल्मों के रीमेक और बॉलीवुड सुपरस्टार्स की बात आती है, तो सबका ध्यान अजय देवगन और उनकी ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी 'दूश्मन' पर जाता है। अजय देवगन ने मोहनलाल की मलयालम 'दूश्मन' का हिंदी रीमेक बनाकर बॉक्स ऑफिस पर खूब पैसे छापे हैं। लेकिन बॉलीवुड का एक और बड़ा खिलाड़ी है जिसने मलयालम सिनेमा के गॉडफादर यानी मोहनलाल की फिल्मों के रीमेक से बॉक्स ऑफिस पर नोटों की बारिश की है और वो हैं अक्षय कुमार। खिलाड़ी अक्षय कुमार की 'भूल भूलैया', 'गर्म मसाला' और 'खट्टा मीठा' मोहनलाल की फिल्मों का हिंदी रीमेक हैं। अजय देवगन ने ही नहीं, बल्कि अक्षय कुमार ने भी मोहनलाल की बेहतरीन कहानियों और अदाकारी का बॉलीवुड में हमेशा खुलकर फायदा उठाया है। साउथ का रीमेक बनाकर मेकर्स को करोड़ों का फायदा हुआ है और ऐसे में मोहनलाल को बॉलीवुड का लकी चार्म कहना गलत नहीं होगा। मोहनलाल की 'दूश्मन' ने जहां अजय देवगन की पॉपुलैरिटी को बढ़ा दिया तो वहीं अक्षय कुमार को कल्ट फिल्म देने में भी मदद की। आइए एक नजर डालते हैं अक्षय कुमार की उन फिल्मों के बारे में जो मलयालम सुपरस्टार की पॉपुलर फिल्मों के रीमेक हैं। अक्षय कुमार की कई सुपरहिट फिल्में मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्मों की रीमेक हैं। इन चार फिल्मों में 'भूल भूलैया', 'खट्टा मीठा' और 'गर्म मसाला' शामिल हैं। इन तीनों ही फिल्मों का डायरेक्शन प्रियदर्शन ने ही किया है। मोहनलाल की फिल्मों का हिंदी रीमेक इन मूवीज में से 2 बॉक्स ऑफिस पर हिट रही तो वहीं एक एवरज रही।



छोटे परदे की अभिनेत्री

सान्विका अब बिल्कुल अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। वेब सीरीज 'पंचायत' में अपने सरल और मासूम किरदार 'रिंकी' से दर्शकों का दिल जीतने वाली सान्विका की आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में वह एक चालाक और शातिर महिला ठग का किरदार निभा रही हैं।



लड़कों की अश्लील हरकत देख भड़की भूमि पेडनेकर

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो पर नाराजगी जाहिर की है। वीडियो में कुछ पुरुष एक महिला की दीवार पर बनी पेंटिंग के साथ अश्लील इशारे और अनुचित हरकतें करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए भूमि ने युवाओं की मानसिकता पर सवाल उठाए हैं। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाने की मांग भी की है। इंस्टाग्राम अकाउंट 'ट्रयुब इंडियन' द्वारा शेयर किए गए वीडियो में कुछ युवक रिवॉमिंग पुल के पास बनी एक महिला की पेंटिंग के

साथ गलत हरकतें करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने नाराजगी जतानी शुरू कर दी है। इसके साथ ही इस घटिया हरकत को बेहद शर्मनाक बताया है। भूमि पेडनेकर ने इस वीडियो को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर करते हुए लिखा कि आज के युवाओं की मानसिकता बेहद चिंताजनक होती जा रही है। उन्होंने कहा कि यही लोग आगे चलकर महिलाओं और बच्चों के साथ अपराध करते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि सिर्फ शर्मिंदगी जताने से कुछ नहीं होगा, अब सख्त कानून लाने की जरूरत हो गई है। इसके साथ ही उन्होंने नाराजगी जताते हुए एक कथान भी लिखा है। भूमि पेडनेकर ने हाल ही में महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों पर भी चिंता जाहिर की है।



ऐश्वर्या राय और आराध्या की बॉन्डिंग की जमकर हुई तारीफ

लंबे समय बाद कान्स फिल्म फेस्टिवल में बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन ने शानदार अंदाज में वापसी की है। फिल्म फेस्टिवल में इस बार उनके साथ उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी नजर आईं। मां-बेटी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। कान्स में ऐश्वर्या राय ने बेबी पिक रंग का आकर्षक आउटफिट पहना, जिसमें फ्लोइंग केप स्लीव्स और चमकदार फूलों की कढ़ाई ने उनके लुक को बेहद खास बना दिया। उन्होंने अपने लुक को सॉफ्ट कलर्स, ग्लोसी मेकअप और स्टेटमेंट ज्वेलरी के साथ पूरा किया, जिससे उनकी खूबसूरती और भी निखरकर सामने आई।

"द नर्मदा स्टोरी" का ट्रेलर रिलीज

क्राइम, थ्रिल और वूमन पॉवर से भरपूर फिल्म 'द नर्मदा स्टोरी' का दमदार ट्रेलर रिलीज हो गया है। 12 मिनट 15 सेकंड का यह ट्रेलर रहस्य, इमोशन और एक्शन का ऐसा मिश्रण पेश करता है, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखता है। ट्रेलर में रियल लाइफ आईपीएस अधिकारी सिमाला प्रसाद एक सशक्त पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आ रही हैं, जिनका ट्रांसफॉर्मेशन इस समय सोशल मीडिया और इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। ट्रेलर की शुरुआत मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम से होती है, जहां पुलिस इन्स्पेक्टर पुरुषोत्तम भदौरिया संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो जाते हैं। पूरा पुलिस विभाग उनकी तलाश में जुटा है, लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन्स्पेक्टर भदौरिया शहर में लगातार हो रहे मिसिंग केस की जांच कर रहे थे।



विना। किसी ब्लू गॉटिऑन गाउन पहना था।। किसी ब्लू के उलझी पुलिस फोर्स और भय पैदा करने वाले किन्नर गिरोह के संवादों के बीच कहानी में एसआई नर्मदा रायकवार की एंट्री होती है, जो अब इस केस की जांच अपने हाथ में लेती हैं। ट्रेलर के अगले दृश्यों में जनता और मीडिया के सवालों का सामना करते हुए मुकेश तिवारी और अंजलि पाटिल अपने प्रभावशाली किरदारों में दिखाई देते हैं। वहीं ट्रेलर के आखिरी हिस्से में पुलिस म्यूट्यूइ, विरोध प्रदर्शन और भावनात्मक दृश्यों के साथ जरीना वहाब और रघुबीर यादव कहानी को और गहराई देते नजर आते हैं। फिल्म के निर्देशक जैगम इमाम ने कहा, "'द नर्मदा स्टोरी' के जरिए मनोरंजन के साथ समाज के एक गंभीर मुद्दे को सामने लाने की कोशिश की है। इसमें क्राइम, सरप्रेस और इमोशन के साथ महिला शक्ति का बहुत मजबूत पक्ष देखने को मिलेगा, मुख्य भूमिका में सिमाला प्रसाद के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अंजलि पाटिल, जरीना वहाब, अश्विनी कलसेकर का किरदार फिल्म की कहानी को मजबूत बनाते हैं।"

सनी देओल अपनी फिल्म 'रामायण' को लेकर सुर्खियों में हैं। निमिेश तिवारी द्वारा बनाई गई 'रामायण' में वो भगवान हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म इस दिवाली रिलीज होगी। फिल्म रिलीज होने में अभी महीनों बाकी हैं। उससे पहले एक्टर आज दोपहर एयरपोर्ट पर देखे गए कई लोग सोच रहे होंगे कि इसमें कौन सी बड़ी बात हो गई। तो जी बिल्कुल बड़ी बात है। क्योंकि एयरपोर्ट पर सनी अकेले नहीं, बल्कि पत्नी पूजा देओल के साथ स्पॉट हुए। सोशल मीडिया पर सनी देओल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में वो एयरपोर्ट पर कार से उतरते दिखाई दे रहे हैं। सनी के उतरने के बाद उनकी पत्नी पूजा कार से बाहर निकलती हैं। दोनों एयरपोर्ट की तरफ आगे बढ़ते हैं। एयरपोर्ट पर



देओल परिवार की बहू वेस्टर्न कपड़ों में नजर आईं, उन्हे कैमरा देखकर मुकुराते भी देखा गया. एक ओर

जहां देओल परिवार के लड़के इंडस्ट्री में नाम कमा रहे हैं. वहीं घर बहू-बेटियां लाइमलाइट से दूर रहती हैं।

दीपिका की 'गुड गर्ल' इमेज को ढोंग बताने पर हुआ बवाल

डायरेक्टर इमियाज अली सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान दीपिका पादुकोण को लेकर उन्होंने ऐसी बात बोल दी कि हर तरफ हंगामा मच गया। इमियाज ने दीपिका की 'गुड गर्ल इमेज' को ढोंग बताया था, जिसके बाद उनके फैंस ने फिल्ममेकर को घेरा। अब इमियाज अली ने अपनी बात को लेकर साफाई जारी की है।

इमियाज अली और दीपिका पादुकोण ने साथ मिलकर दो फिल्मों में काम किया है। डायरेक्टर ने अपने बयान में दीपिका पादुकोण के नाम एक लंबी पोस्ट लिखी है। सोमवार, 25 मई को इमियाज ने दीपिका के बारे में अपनी टिप्पणियों पर बने एक न्यूज आर्टिकल का स्क्रीनशॉट शेयर किया। आर्टिकल की हेडलाइन थी, 'इमियाज अली की दीपिका पादुकोण पर टिप्पणियों से ऑनलाइन विवाद'। इसके साथ इमियाज ने दीपिका को संबोधित करते हुए

लिखा, 'मेरी सबसे प्यारी और प्रिय दीपिका पादुकोण, तुम मेरी दोस्त, मेरी बड़ी, ह्यूमर के लिए मेरी सुरक्षित पसंद हो। मुझे पूरा विश्वास है कि तुम मेरे मजाकिया कमेंट्स को कभी गलत नहीं समझोगी, क्योंकि तुमसे ज्यादा कोई नहीं जानता कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूँ, तुम्हारी कितनी प्रशंसा करता हूँ, तुम्हें समझता हूँ और कद्र करता हूँ। लेकिन मुझे बताया गया है कि तुम शायद इसे गलत समझ सकती हो और दुखी हो सकती हो, इसलिए मैं तुमसे कह रहा हूँ कि प्लीज ऐसा मत करना। तुम्हारे साथ कुछ बुरा करना इस जन्म में तो पॉसिबल नहीं है।' इमियाज अली ने आगे लिखा कि वो यह 'डिस्क्लेमर' लिखना नहीं चाहते थे, लेकिन उन्होंने चॉस नहीं लेना चाहा। फिल्ममेकर ने आगे

डायरेक्टर ने कह दी थी बड़ी बात

इस हफ्ते की शुरुआत में एक इंटरव्यू में इमियाज अली ने दीपिका पादुकोण की ऑफ-स्क्रीन इमेज और 2012 की फिल्म 'कॉकटेल' में उनके किरदार के बीच के अंतर पर बात की थी। उन्होंने कहा था, ट्वेरेनिका उस समय दीपिका की इमेज से बिल्कुल अलग थी। लेकिन चूंकि मैं उनके साथ पार्टीज में गया था और उनके साथ रहा था, इसलिए मैं जानता हूँ कि वो कितनी केजी और वाइल्ड हो सकती हैं, भले ही उस समय वो बाहर से बहुत 'गुड गर्ल' इमेज प्रोजेक्ट कर रही थीं। अब लोग उस ढोंग को देख चुके हैं। इसलिए मुझे लगा कि दीपिका के लिए यह एक नया और अलग अनुभव होगा। मुझे पता था कि इमोशनल गहराई मौजूद है, इसलिए यह एक्साइटिंग था।

कहा, 'मैंने कभी सोचा नहीं था कि तुम्हें ऐसा डिस्क्लेमर देना पड़ेगा, लेकिन काफी समय हो गया है और मैं रिसक नहीं लेना चाहता था। तुम्हें शुभकामनाएं और हमेशा प्यार।'



विवाद के बीच चामुंडेश्वरी मंदिर पहुंचे रणवीर सिंह

रणवीर सिंह लगातार चर्चा में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले तक रणवीर 'बुरंधर 2' की सफलता को लेकर चर्चा में थे। इसी बीच 'डॉन 3' से आखिरी मौके पर बाहर होने को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया। फिल्म छोड़ने के बाद रणवीर और फरहान अख्तर के बीच मतभेद बढ़ गए और ये विवाद फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज तक जा पहुंचा। फरहान अख्तर ने रणवीर के खिलाफ FVWICE में शिकायत दर्ज करा दी, जिसके चलते अभिनेता पर बैन लगा दिया गया है।



इस पूरे विवाद के बीच रणवीर अब मैसूरु के चामुंडेश्वरी मंदिर पहुंचे हैं। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अभिनेता को 'कांतारा' की मिमिक्री मामले में एक्टर को बिना शर्त माफी मांगने के निर्देश दिए थे। हाई कोर्ट ने कहा कि रणवीर को चार सप्ताह के भीतर चामुंडेश्वरी मंदिर में देवी चामुंडेश्वरी की पूजा करना होगा। अब अभिनेता ने अपना वादा निभाया और 26 मई को चामुंडेश्वरी मंदिर गए और देवी चामुंडेश्वरी की पूजा की। रणवीर सिंह को 'डॉन 3' विवाद के चलते लगे बैन के बाद आज सुबह ही एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था। लेकिन, उनकी इस यात्रा को गुप्त ही रखा गया था। मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचने तक रणवीर ने मास्क पहन रखा था। मंदिर पहुंचने पर रणवीर ने चामुंडेश्वरी देवी के चरणों में माथा टेका और हाई कोर्ट के निर्देशानुसार माफी

भी मांगी। दरअसल, नवंबर 2025 में गोवा में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शिरकत की थी। यहां फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में रणवीर सिंह ने ऋषभ शेट्टी स्टारर फिल्म 'कांतारा' के देव वाले आईकॉनिक सीन की मिमिक्री की और ऋषभ शेट्टी के अभिनय की तारीफ करते हुए उस सीन को हाईलाइट किया, जिसमें देव का उनके शरीर में प्रवेश होता है। इस दौरान उन्होंने देव को 'फीमेल घोरस्ट' कह दिया। फिल्म के इस ऐतिहासिक दृश्य की नकल करते हुए रणवीर का वीडियो वायरल हो गया, जिसके बाद कन्नड़ भाषी लोगों ने उनकी कड़ी आलोचना की। हालांकि, रणवीर ने तुरंत ही इसके लिए माफी भी मांग ली। रणवीर सिंह ने एक पोस्ट साझा करते हुए कांतारा मिमिक्री को लेकर अपनी सफाई पेश की और माफी भी मांगी।

सालों बाद पत्नी पूजा संग दिखे सनी देओल

सनी देओल अपनी फिल्म 'रामायण' को लेकर सुर्खियों में हैं। निमिेश तिवारी द्वारा बनाई गई 'रामायण' में वो भगवान हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म इस दिवाली रिलीज होगी। फिल्म रिलीज होने में अभी महीनों बाकी हैं। उससे पहले एक्टर आज दोपहर एयरपोर्ट पर देखे गए कई लोग सोच रहे होंगे कि इसमें कौन सी बड़ी बात हो गई। तो जी बिल्कुल बड़ी बात है। क्योंकि एयरपोर्ट पर सनी अकेले नहीं, बल्कि पत्नी पूजा देओल के साथ स्पॉट हुए। सोशल मीडिया पर सनी देओल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में वो एयरपोर्ट पर कार से उतरते दिखाई दे रहे हैं। सनी के उतरने के बाद उनकी पत्नी पूजा कार से बाहर निकलती हैं। दोनों एयरपोर्ट की तरफ आगे बढ़ते हैं। एयरपोर्ट पर